■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-50)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 23 जनवरी ,2023

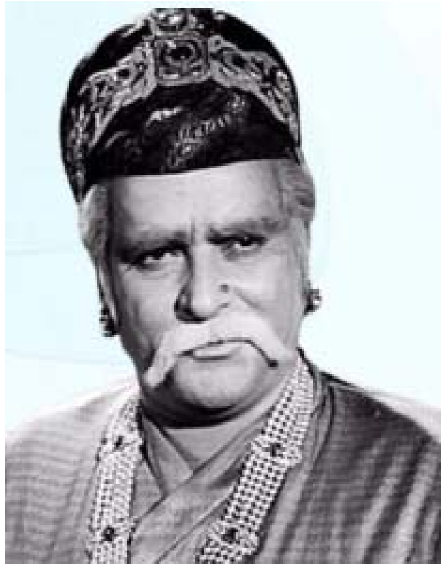

▶ दवा बाजार में कमेटी बनाकर पदाधिकारी किए गए नियुक्त

▶ कुछ ऐसी रही करिश्मा कपूर की शादी शुदा जिन्दगी

▶ प्रतिभा के धनी और सिनेमा के मुगल ए आजम थे पृथ्वीराज कपूर

न्यूज संक्षिप्त

बजट 2023 में टीडीएस ढांचे को युक्तिसंगत बना सकती है सरकार

नयी दिल्ली। सरकार आगामी आम बजट में टैक्सपेयर्स से अनुपालन के बोझ को कम करने के लिए अधिक सुसंगत स्रोत पर कर कटौती रूपरेखा बनाने के अलावा मानक कटौती जैसे अतिरिक्त लाभ देने के लिए एक पुनर्गठित नई रियायती कर व्यवस्था ला सकती है। ईवाई ने रविवार को यह जानकारी दी। ईवाई की बजट विशलिस्ट के अनुसार, सरकार को पर्सनल इनकम टैक्स के मामले में 20 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले निम्न और मध्यम आय वाले टैक्सपेयर्स को कुछ राहत देनी चाहिए। इसके मुताबिक, एक फरवरी को संसद में पेश होने वाले बजट में 'हरित' प्रोत्साहन- मसलन ग्रीन बॉन्ड से ब्याज की कर छूट और पूंजीगत लाभ दरों एवं होल्डिंग अवधि को युक्तिसंगत बनाया जा सकता है।

अडाणी समूह 2028 तक हाइड्रोजन, हवाई अड्डा, डाटा केंद्र कारोबार को अलग करेगा : सीएफओ

नयी दिल्ल। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी के अडाणी समूह की योजना 2025 से 2028 के बीच निवेश का एक निश्चित स्तर हासिल करने के बाद हाइड्रोजन, हवाई अड्डा और डाटा केंद्र जैसे कारोबार को अलग करने की है। समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगशिंदर सिंह ने यह जानकारी दी। अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिये 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही अडानी एंटरप्राइजेज (एईएल) समूह के लिए कारोबार 'इनक्यूबेटर' है। हाल के बरसों में बंदरगाह, बिजली और शहर गैस जैसे कारोबार को एईएल में शामिल किया गया। बाद में इन्हें सूचीबद्ध इकाई के रूप में अलग कर दिया गया।

सीतापुर में अविवाहित जोड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

सीतापुर। जिले के लहरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार को अविवाहित जोड़े ने एक पेड़ से फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, लहरपुर थाना क्षेत्र के दारापुर गांव में अविवाहित प्रेमी जोड़े ने परिजनों से विवाह की मंजूरी नहीं मिलने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सीतापुर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजीव दीक्षित ने बताया कि अंकुर (20) और उसके पड़ोस में रहने वाली कांति (20) ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि आज घटना की सूचना मिली और प्रारंभिक छानबीन में पता चला कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे, लेकिन अपने-अपने परिवारों के विरोध के कारण उन्होंने यह घातक कदम उठाया। दीक्षित ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन की जा रही है।

मोदी ने की सीजेआई की प्रशंसा

न्यायालय के फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराना सराहनीय

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने पर प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के जोर देने की रविवार को सराहना की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि हाल में एक कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने की बात कही। उन्होंने इसके लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का भी सुझाव दिया। यह एक प्रशंसनीय विचार है, जो कई लोगों की मदद करेगा।''

प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में 'बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के संबोधन के संबंधित वीडियो क्लिप को भी साझा किया। अतीत में प्रधानमंत्री ने न्यायिक निर्णयों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराकर आम आदमी के लिए अधिक सुलभ बनाने की लगातार हिमायत की है। मोदी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''भारत में कई भाषाएं हैं, जो हमारी सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ाती हैं। केंद्र सरकार भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रयास कर रही है, जिसमें इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे विषयों को अपनी मातृमें पढ़ने का विकल्प शामिल है।

तेज आवाज में लाउडस्पीकर पर अजान, 7 मस्जिदों पर लगाया गया जुर्माना

उत्तराखंड के हरिद्वार प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण करने पर 7 मस्जिदों पर जुर्माना लगाया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जमीयत उलेमा उत्तराखंड (छ्ज्ञ) के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ ने आगामी चुनाव को देखते हुए तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। हरिद्वार जिले के पाथरी थाना क्षेत्र के कई गांवों की मस्जिदों में सीमित मात्रा में अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने की चेतावनी दी गई थी। लेकिन ऐसा न करने की रिपोर्ट पर सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) पूरन सिंह राणा ने 7 मस्जिदों पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, दो अन्य मस्जिदों को ध्वनि प्रदूषण करने को लेकर चेतावनी दी गई है।

मस्जिदों में ध्वनि प्रदूषण को लेकर की गई कार्रवाई पर मुस्लिम धर्मगुरु सवाल उठा रहे हैं। जमीयत उलेमा के उत्तराखंड अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ ने कहा है कि हर थाने में बैठक हुई और वॉल्यूम कम रखने का फैसला किया गया। जुर्माने पर सवाल उठाते हुए मौलाना आरिफ ने कहा, 'हमने वादा किया था कि हम वॉल्यूम कम कर देंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जुर्माना जरूरी था। यह इतना बड़ा अपराध नहीं है कि जुर्माना लगाया जाए। हाल ही में कांवड़ यात्रा में उन्हें तेज आवाज करने की अनुमति दी गई थी, जिसकी आवाज आधा किलोमीटर दूर से सुनाई दे रही थी।स्थानीय लोगों के लिए यह बहुत मुश्किल था लेकिन सरकार ने कोई जुर्माना या कुछ भी कार्रवाई नहीं की। मौलाना ने नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर प्रशासन को सिर्फ अजान से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की चिंता है तो इसके पीछे कोई राजनीति है। उन्होंने आगे कहा कि यदि ध्वनि प्रदूषण इतनी बड़ी समस्या है तो कार और वाहन अधिक ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजान में केवल 2 मिनट का समय लगता है जबकि वाहनों से ध्वनि प्रदूषण लगातार होता रहता है। उन्होंने कहा, 卐अगर प्रशासन को इतनी ही चिंता है तो उसे शादियों में डीजे बंद कर देना चाहिए।

राहुल गांधी नफरत पैदा कर सज़ा पाने की कोशिश कर रहे हैं: राजनाथ सिंह

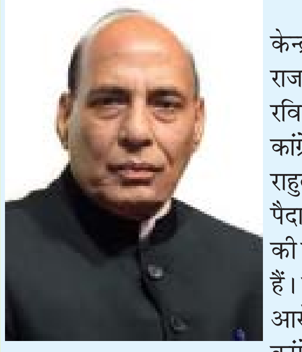

सिंगरौली। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां रविवार को कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी नफरत पैदा कर सत्ता पाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता सारी दुनिया में भारत को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज और देश बनाने के लिए की जानी चाहिए। सिंह ने मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में 25,500 गरीब परिवारों को 'मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना' के तहत निःशुल्क भू-खंड वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''इस समय एक नेता 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले हैं, वो क्या-क्या बातें करते हैं?'' सिंह ने कहा, ''भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा है। भारत बदल चुका है। जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय हमारे जवानों ने दिया है, वह अद्भुत है। लेकिन ये कांग्रेस के नेता सेना के जवानों के बारे में कुछ भी बोल रहे हैं।'राजनाथ सिंह ने कहा, ''कांग्रेस के नेता हमारी सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। भारत टूटा (हुआ) देश है क्या, जो कांग्रेस के नेता भारत जोड़ने के लिए निकले हैं? भारत 1947 में टूट चुका है, अब नहीं टूटेगा। भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा, जो चाहे आँख दिखाकर निकल जाये।'' सिंह ने कहा, ''आज राहुल गांधी चारों तरफ घूम-घूम कर कह रहे हैं कि हिंदुस्तान में चारों तरफ नफरत है। क्या (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी नफरत फैला रहे हैं?

जम्मू एण्ड कश्मीर के कठुआ में कड़ी सुरक्षा के बीच आगे बढ़ी 'भारत जोड़ो यात्रा'

कठुआ/जम्मू। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' जम्मू में शनिवार को हुए दो विस्फोटों के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर से रविवार सुबह फिर से शुरू हुई। यह पदयात्रा एक दिन के विश्राम के बाद जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर से सुबह सात बजे के आसपास शुरू हुई। पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने पूरे राजमार्ग को सील कर दिया है। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष विकार रसूल वानी, कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला और तिरंगा थामे सैकड़ों स्वयंसेवकों के साथ राहुल ने सुबह लगभग आठ बजे लोंदी जांच चौकी पार करने के बाद सांबा जिले के तपयाल-गगवाल में प्रवेश किया। इस दौरान, सड़क के दोनों ओर खड़े उत्साही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया।सोमवार सुबह वे सांबा के विजयपुर से जम्मू की तरफ बढ़ेंगे। अधिकारियों ने कहा कि राहुल की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) व अन्य सुरक्षा एजेंसियां शांतिपूर्ण मार्च सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रख रही हैं। जम्मू शहर के बाहरी इलाके नरवाल में शनिवार को हुए दो विस्फोटों के मद्देनजर पूरे केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन विस्फोटों में नौ लोग घायल हो गए थे।पुलिस को संदेह है कि नरवाल के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक दुकान में खड़ी एसयूवी और पास के कबाड़खाने में मौजूद वाहन में विस्फोट करने के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया था। ये विस्फोट ऐसे समय हुए हैं, जब जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' और आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर 2022 को शुरू हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' बृहस्पतिवार को पंजाब से जम्मू-कश्मीर में दाखिल हुई थी। यह पदयात्रा 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में समाप्त होगी, जब राहुल गांधी वहां स्थित कांग्रेस मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे।

कोलकाता में आईएसएफ प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज कई घायल, विधायक सहित 100 लोग गिरफ्तार

कोलकाता। मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में विपक्षी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) का विरोध प्रदर्शन शनिवार दोपहर बाद हिंसक हो गया और पुलिस के साथ हुईझड़प में कई पुलिसकर्मी और आईएसएफ के कार्यकर्ता घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आईएसएफ के पश्चिम बंगाल विधानसभा में एकमात्र विधायक नौशाद सिद्दीकी और पार्टी के करीब 100 समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों के खिलाफ आईएसएफ डोरिना क्रॉसिंग पर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। प्रदर्शनकारियों ने महत्वपूर्ण जवाहरलाल नेहरू रोड चौराहे के आसपास यातायात बाधित किया, जिसके बाद पुलिस ने उनसे जवाहरलाल नेहरू रोड को खाली करने और यातायात को बहाल करने का अनुरोध किया।हालांकि, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़क खाली करने से इनकार कर दिया और मांग की कि भांगर में उसके कार्यकर्ताओं पर हमले में शामिल अपराधियों को पहले गिरफ्तार किया जाए। पार्टी का गठन 2021 में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले हुआ था। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने कहा, ''वे (प्रदर्शनकारी) अड़े थे और कहासुनी के बाद हमारे एक अधिकारी पर हमला कर दिया। हमारे अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और तबपार्टी कार्यकर्ताओं ने हमारे अधिकारियों पर पथराव शुरू कर दिया। हमें उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा।'' हाथापाई में कुछ अधिकारियों सहित कम से कम 19 पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। गोयल ने एसएसकेएम अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''घायलों का इलाज किया जा रहा है। कुछ एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि कुछ कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में हैं।'' पुलिस कार्रवाई में घायल हुए आईएसएफ समर्थकों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। जैसे ही पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रदर्शनकारी पीछे हट गए, लेकिन पास की गलियों से पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के कियोस्क और रेलिंग को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इलाके में आरएएफ और सशस्त्र पुलिसकर्मियों सहित बड़ी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने सड़क को खाली कराया और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, लेकिन कुछ देर तक पथराव की छिटपुट घटनाएं होती रहीं।

बीजेपी अब दिन गिनने लगी है, केवल 398 दिन बचे हैं : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जिस तरीके से दिन गिनने लगी है, उसे देखते हुए आज मैं यह कहना चाहूंगा कि उसके पास अब केवल 398 दिन बचे हैं। अखिलेश लखनऊ में जनेश?वर मिश्र पार्क में समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से मुखातिब थे। लखनऊ में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा, भाजपा इस बार हो सकता है ।

नवजोत सिंह सिद्धू जेल से रिहा होते ही संभालेंगे अहम जिम्मेदारी, 26 जनवरी को आएंगे बाहर

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू के चाहने वालों के लिए खुश खबरी है। नवजोत सिंह सिद्धू जल्द ही जेल की सजा खत्म कर जेल से बाहर आ सकते है। माना जा रहा है कि उनके चार महीने की सजा को माफ किया जाएगा, जिसके बाद वो 26 जनवरी के दिन जेल से बाहर निकलेंगे।वर्तमान में नवजोत सिंह सिद्धू पटियाला जेल में बंद है। वो वर्ष 1988 के रोडरेज मामले में एक साल की जेल की सजा काट रहे हैं। जेल से नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई होने से पहले सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे है।माना जा रहा है कि मुलाकात के बाद और सिद्धू के रिहा होते ही उन्हें पंजाब कांग्रेस में अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। यहां तक कही खुद राहुल गांधी पंजाब में पहुंचने पर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से नवजोत सिंह सिद्धू को आमंत्रित कर चुके है। संभावना है कि जेल से रिहा होने के बाद सिद्धू धार्मिक स्थानों पर माथा टेकने जाएंगे।बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव की तरफ है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर 2022 को शुरू हुई इस भारत जोड़ो यात्रा का समापन 30 जनवरी 2023 को जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में होगा।

तांत्रिक ने हड्डियों से बना चूरन खिला दिया और फिर...

देश में अंधविश्वास के कारनामें नहीं रुक रहे हैं और कई बार इसमें लोगों की जान भी जोखिम में पड़ जाती यही. इसी कड़ी में महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक तांत्रिक ने महिला को बच्चा नहीं होने के चलते हड्डियों का चूरन खिला दिया. यह सब तब हुआ था जब लंबे समय से महिला को बच्चा नहीं हो रहा था और वह काला जादू के लिए तांत्रिक के पास पहुंची थी.

महिला ने गंभीर आरोप लगाए

दरअसल, यह घटना महाराष्ट्र के पुणे की है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले का खुलासा होने के बाद महिला और उसकी ससुराल से संबंधित अन्य भी कई मामले सामने आ गए जिसमें महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं. बताया जा रहा है कि महिला की शादी 2019 में हुई थी. आरोप है कि महिला के ससुराल वालों ने कथित तौर पर उसे घर पर अंधविश्वास में ढकेलने को मजबूर किया.

हड्डियों का पाउडर खाने को मजबूर

इसके बाद महिला को जबरदस्ती एक तांत्रिक के पास श्मशान में ले जाया गया, जहां उसे मरे हुए इंसानों की हड्डियों का पाउडर खाने को मजबूर किया गया है. उससे कहा गया कि यह काला जादू है और ऐसा करने पर उसका बांझपन दूर हो जाएगा. महिला को इंसानी हड्डियों का पाउडर पानी के साथ खिलाया गया. महिला का आरोप है कि उसे कोई बच्चा नहीं था. इसलिए उसका पति, ससुराल वाले और अन्य आरोपी अमावस्या के दौरान काला जादू करते थे.

मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे एक विशेष झरने में नहाने के लिए भी मजबूर किया गया. उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया. फिलहाल महिला की शिकायत के बाद पुणे शहर की इस घटना को लेकर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. शिकायत आवेदन के अनुसार दूसरे मामले में पुलिस ने अंधविश्वास विरोधी और काला जादू अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई हैं.

सभी देशवासियों, राज्यवासियों, नगर वासियों एवं क्षेत्रीयवासियों, सम्पादक साथियों व मेरे प्रिय पत्रकार भाइयों सहित शासन-प्रशासन और देश-प्रदेश से जुड़े हुए बी पी एस न्यूज के पाठक व सम्मानित मित्रों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक
बी.पी. साहू
8423454502,
9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

सम्पादकीय

पहलवानों के आंसू

यह घटनाक्रम दुखद ही है कि दुनिया में पदक जीत कर तिरंगा लहराने वाली महिला पहलवान जंतर–मंतर पर लाचार होकर आंसू बहाएं। ज्यादा दिन नहीं हुए जब हरियाणा में एक महिला कोच ने खेल मंत्री पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये थे। यूं भी गाहे–बगाहे विभिन्न खेलों में अपने देश के सपने पूरे करने में लगी महिला खिलाड़ि?यों के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले सामने आते रहे हैं। लेकिन कोई पारदर्शी व फुलप्रूफ तंत्र नहीं बना, जो प्रतिभाओं की सुरक्षा के लिये कारगर हो। कुश्ती संघ के मुखिया और भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह पर अंतर्राष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक व बजरंग पूनिया आदि ने जो आरोप लगाये हैं, वे गंभीर प्रवृत्ति के हैं, जिनको गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच करवायी जानी चाहिए। यह प्रकरण बताता है कि महिला खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के अलावा किन कठिन परिस्थितियों व दबावों में काम करना होता है, विरोध करने पर उन्हें अपना कैरियर दांव पर लगाना होता है। यह विडंबना ही है कि खेल संघों के निरंकुश व्यवहार तथा महिला खिलाड़ियों के साथ यौन दुर्व्यवहार रोकने के लिये कारगर तंत्र नहीं बनाया गया। हरियाणा में भी महिला आयोग के प्रमुख की तो नियुक्ति हुई है लेकिन संस्था के अन्य सदस्यों का चयन नहीं हो सका है। महिलाओं से यौन दुर्व्यवहार की स्थिति इतनी भयावह है कि महिलाओं की सुरक्षा का जायजा लेने गई दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल खुद छेड़छाड़ का शिकार हो गईं। दिल्ली में एम्स के पास नशे में धुत एक व्यक्ति ने उनसे बदसलूकी ही नहीं की बल्कि 15 मीटर तक कार में घसीटा भी। यह स्थिति भयावह है। ऐसे में आम महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह गंभीर स्थिति है।

जंतर–मंतर पर इस रक्त जमाती सर्दी में धरने पर बैठी खिलाड़ि?यों को देखकर स्वाभाविक सवाल उठता है कि देश में कोई तंत्र ऐसा नहीं है जो समय रहते पीड़िताओं की आवाज सुन सके? क्यों सरकार तब जागती है जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। क्यों राजनेताओं को खेल संघों पर बैठाया जाता है? क्यों ब्रजभूषण कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर एक दशक से अधिक समय सें काबिज है? निस्संदेह, कोई भी खेल संगठन हो, उसके कर्ता–धर्ताओं का श्रेष्ठ आचरण बुनियादी शर्त है। इन संगठनों पर वे ही लोग नियुक्त होने चाहिए, जो खेल और खिलाड़ियों के प्रति संवेदनशील हों। बेशक, सरकार ने कुश्ती फेडरेशन से जवाब मांगा है, लेकिन सरकार की पहल देर से हुई है। वहीं संस्था के अध्यक्ष ऐसे आरोपों से इनकार कर रहे हैं। बहरहाल, आरोपों की हकीकत को जांच के जरिये तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। ऐसी पारदर्शी व्यवस्था स्थापित होनी चाहिए कि खेल संगठन कुछ लोगों की घेराबंदी का शिकार न हों। असली मुद्दा ये भी है कि यदि खेल संगठनों का यही आलम रहा तो लोग अपनी बेटियों के खेलों में भाग लेने से कतराएंगे।

अप्रिय टकराव रोकने की हो सार्थक पहल

परंपरा है कि सदन प्रारंभ होने से पहले राज्यपाल संबंधित सरकार द्वारा तैयार की गयी अपनी नीतियों और कार्यों का विवरण–सदन में रखते हैं। जैसे राष्ट्रपति का ऐसा अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है और राष्ट्रपति को 'मेरी सरकार' का यह वक्तव्य पढ़ना या सदन के पटल पर रखना मात्र होता है, वैसे ही राज्यपाल भी राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया यह भाषण पढ़ते अथवा सदन के पटल पर रखते हैं। फिर उस पर बहस होती है और राज्यपाल के लिए धन्यवाद का प्रस्ताव पारित करके सरकार के इस वक्तव्य पर मोहर लगा दी जाती है। एक स्थापित परंपरा है यहां, पर उस दिन तमिलनाडु विधानसभा में ऐसा नहीं हुआ।

हमारी विधानसभाओं और संसद में भी, ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं, जिन्हें देखकर अनायास मुंह से निकल जाता है, काश! ऐसा न हुआ होता! ऐसा ही कुछ उस दिन तमिलनाडु विधानसभा में हुआ था। अवसर राज्यपाल के अभिभाषण का था। राज्यपाल अपना अभिभाषण पढ़ चुके थे। पर यह पढ़ने के दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जो नहीं कहा जाना चाहिए था, और कुछ ऐसा नहीं बोला जो बोला जाना चाहिए था। परंपरा है कि सदन प्रारंभ होने से पहले राज्यपाल संबंधित सरकार द्वारा तैयार की गयी अपनी नीतियों और कार्यों का विवरण–सदन में रखते हैं। जैसे राष्ट्रपति का ऐसा अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है और राष्ट्रपति को 'मेरी सरकार' का यह वक्तव्य पढ़ना या सदन के पटल पर रखना मात्र होता है, वैसे ही राज्यपाल भी राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया यह भाषण पढ़ते अथवा सदन के पटल पर रखते हैं। फिर उस पर बहस होती है और राज्यपाल के लिए धन्यवाद का प्रस्ताव पारित करके सरकार के इस वक्तव्य पर मोहर लगा दी जाती है। एक स्थापित परंपरा है यहां, पर उस दिन तमिलनाडु विधानसभा में ऐसा नहीं हुआ। राज्यपाल ने अभिभाषण तो पढ़ा, पर न उस पर बहस हुई, न धन्यवाद–प्रस्ताव पारित हुआ और न ही राष्ट्रगान की औपचारिकता ही निभायी गयी!

असल में राज्यपाल ने सरकार द्वारा तैयार किये गये अभिभाषण के कुछ हिस्से पढ़े ही नहीं, और कुछ शब्द अपनी तरफ से जोड़ भी दिये! भला सरकार को यह कैसे मान्य होता। मुख्यमंत्री ने खड़े होकर यह घोषणा कर दी कि राज्यपाल का यह व्यवहार अनुचित है और सदन की कार्रवाई में वही पूरा वक्तव्य मान्य माना जायेगा जो सरकार द्वारा तैयार किया गया है। पहले भी कुछ राज्यों में राज्यपाल सरकारों द्वारा तैयार किये गये वक्तव्य में से कुछ अंश न पढ़ कर अपना विरोध प्रकट कर चुके हैं, पर कुछ असहमति होने पर राज्यपाल अभिभाषण का शुरुआती हिस्सा पढ़कर कह देते हैं कि अभिभाषण को पूरा पढ़ा मान लिया जाये। पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने ऐसा नहीं किया। यही नहीं, उन्होंने इसके बाद और जो कुछ किया, वह शायद ही किसी अन्य विधानसभा में हुआ होगा–मुख्यमंत्री द्वारा इस बारे में जो कहा गया, उसका विरोध करते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल सदन का बहिष्कार करके सदन से उठकर चले गये !राज्य सरकार ने राज्यपाल के इस बर्ताव पर आपत्ति तो दायर की ही है, एक प्रतिनिधिमंडल भेज कर राष्ट्रपति से यह आग्रह भी किया है कि संबंधित राज्यपाल को तत्काल राज्य से वापस बुला लिया जाये !यह पहली बार नहीं है जब किसी राज्यपाल ने 'अपनी सरकार' का इस तरह से विरोध किया है, और न ही यह पहली बार है जब किसी राज्यपाल को हटाये जाने की मांग की गयी है। कई राज्यों में पहले भी राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव के उदाहरण देखने को मिलते रहे हैं। कुछ अर्सा पहले तक पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल के 'अपनी सरकार' से टकराव के किस्से मीडिया की सुर्खियां बनते देखे गये थे। केरल, मेघालय, महाराष्ट्र आदि राज्यों के राज्यपाल के कहे–किये का विरोध संबंधित सरकारें करती रही हैं। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तो आये दिन 'अपनी सरकार' को काम न करने देने का आरोप झेलते रहते हैं। यह बात हाल–फिलहाल तक ही सीमित नहीं है। राज्यपालों और सरकारों का टकराव दशकों से देश देखता रहा है। खास तौर पर जब मामला ऐसे राज्यों का हो जहां केंद्र में सत्तारूढ़ दल के विरोधी दलों का शासन हो, इस तरह का टकराव अक्सर देखा जा रहा है। इस व्यवहार को, और इस स्थिति को, उचित नहीं ही कहा जा सकता। यह अनुचित भी है और दुर्भाग्यपूर्ण भी ।वास्तव में राज्यपाल–पद की व्यवस्था में ही इस टकराव के बीज थे। संविधान सभा में ही इसे लेकर शंका प्रकट की गयी थी। व्यवस्था यह है कि राज्यपाल नियुक्त करने का अधिकार केंद्र सरकार का होता है। इसलिए अक्सर राज्यपाल को राज्यों में केंद्र सरकार का एजेंट भी कहा जाता है, जबकि वह वस्तुतः एजेंट होना नहीं चाहिए। संविधान बनाते समय अपेक्षा यह की गयी थी कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े गैर–राजनीतिक व्यक्तियों को राज्यपाल बनाया जायेगा, जो राज्य और केंद्र के बीच एक पुल का काम करेंगे। अपेक्षा यह भी की गयी थी कि केंद्र ऐसे व्यक्तियों को इस पद पर बिठायेगा जिनका विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट स्थान हो, और वे समाज द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हों। इसकी शुरुआत भी अच्छी हुई थी, पर धीरे–धीरे यह पद केंद्र में राज कर रही पार्टी द्वारा 'अपने आदमियों' को पुरस्कृत करने का जरिया बन गया। फिर जब केंद्र और राज्यों में अलग–अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने लगीं तो स्थिति और बिगड़ गयी। ऐसे व्यक्तियों को चुन–चुन कर राजभवनों में भेजा गया जो केंद्र में राज कर रहे राजनीतिक दल के इशारे पर, और उसके हित के लिए, राज्य सरकारों पर न केवल निगरानी रख सकें, बल्कि उनकी छवि बिगाड़ने में भी मददगार हो सकें। जनतंत्र में यह स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती ।आज़ादी के तत्काल बाद, और फिर कुछ अर्सा तक, परंपरा यह भी बनी रही कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों से सलाह–मशविरा करके राज्यपालों की नियुक्ति करती थी। तब, क्योंकि अधिकांश राज्यों में, और केंद्र में एक ही दल, कांग्रेस, की सरकारें थीं, इसलिए सलाह–मशविरे की परंपरा भी चलती रही। पर राजनीतिक स्थितियां बदलने के साथ–साथ यह परंपरा भी बदली। केंद्र सरकार के कृपापात्र और केंद्र में राज कर रहे राजनीतिक दल के हितों के लिए काम करने वाले लोग राज्यपाल बनने लगे। ऐसे में टकराव तो होना ही था। आज की दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई यह है कि आये दिन राज्यपाल और राज्यों की सरकारें टकरा रही हैं। विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र के विरोधी दलों की सरकारें हैं, राज्यपाल केंद्र के हितों को देखते हुए काम करने का आरोप झेल रहे हैं, और यह आरोप पूरी तरह ग़लत भी नहीं है। केंद्र शासित राज्यों में तो आये दिन उपराज्यपाल ऐसा कुछ करते देखे जा रहे हैं जो चुनी हुई सरकार के अधिकारों के विरुद्ध जाता है। अन्यत्र भी राज्यपाल की भूमिका संदेह के घेरे में आती रहती है। यह स्थिति किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती। दल–विशेष का हित–रक्षक दिखना राज्यपाल–पद की गरिमा को तो घटाता ही है, जनतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं के भी प्रतिकूल है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए। राज्यपाल की नियुक्ति और उनके अधिकार, दोनों ही, सवालों के घेरे में हैं। सवाल संविधान की मर्यादाओं की रक्षा का है।

ताकतवर राष्ट्र के रूप में तैयार भारत, अब विश्वभर में डंका ..!

बीसवीं शताब्दी के छठे दशक के पूर्वार्ध में बहुत लगा परंतु शीघ्र ही एसियाई देशों के बीच संबंधों में कटुता आ गई और 1962 में तो पूरा युद्ध ही हो गया । 60 सालों में दुनिया बहुत बदल गई है। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका ने दुनिया के स्वयंभू और एकमात्र पुलिसकर्मी की भूमिका संभाल ली। जैसे शरीर में जमा विजातीय पदार्थ फोड़े ङ्क फुंसी , उल्टी– दस्त के रूप में बाहर निकलते हैं उसी स्थिति में हुए 11/9 के आतंकवादी हमले ने विश्व को स्तब्ध कर दिया। 20 साल तक अफगानिस्तान में प्रतिशोध की कार्यवाही के बाद अगस्त 2021 में अमेरिका को वहां से अक्षरशः दुम दबाकर भागना पड़ा। अमेरिका की सामरिक शक्ति असीम नहीं है यह सिद्ध हो गया। उसी समय दुनिया का उत्पादन केंद्र बनकर चीन ने अमेरिका की आर्थिक शक्ति को भी चुनौती दे दी। आज अमेरिका और यूरोप के उसके साथी लगभग चार सौ साल की प्रभुता के बाद सांसत में हैं। रूस ङ्क यूक्रेन युद्ध उसी का एक हिस्सा है। वास्तव में यह युद्ध अमेरिका और उसके साथियों तथा शेष विश्व के बीच है। अमेरिकी गुट को चीन के विरुद्ध खड़ा होने के लिए भारत की बहुत ज़रूरत है और भारत ङ्क चीन के ख़राब संबंध भारत को उस तरफ धकेल भी रहे हैं। परंतु भारत का पश्चिमी खेमे से जुड़ना ऐतिहासिक भूल होगी। अब समय आ गया है पश्चिमी देशों की आर्थिक उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद की सत्ता को पलट देने का। पश्चिमी सत्ता के विश्व में हावी होने से पहले चीन और भारत में कोई गठजोड़ तो नहीं था पर वह दुनिया के सबसे अधिक समृद्ध देश थे। पिछले कुछ समय में एशियाई ही नहीं दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के देशों में भी जागरूकता आ गई है। वे भी आर्थिक उपनिवेशवाद से मुक्त होने के लिए छटपटा रहे हैं। ब्रिक्स अमेरिका और यूरोप से अधिक वैश्विक प्रतिनिधित्व वाले हैं और अधिक शक्तिशाली भी हैं। उपरोक्त पांच देशों के अलावा अल्जीरिया , अर्जेंटीना , ईरान और इंडोनेशिया इस ग्रुप में शामिल होने के लिए कतार में खड़े हैं। जल्द ही नाइजीरिया , कजाखस्तान , इजिप्ट और तुर्की जैसे देश भी इसमें शामिल हो सकते हैं। इस गुट में चीन और भारत आबादी में सबसे बड़े देश हैं और यदि इनके संबंध सामान्य नहीं हुए तो इसका कामयाब होना संदिग्ध है। दोनों देश के नेतृत्व इस बात को समझ कर यदि सीमा विवाद को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दें तो विश्व में एक बहुत बड़ा परिवर्तन अवश्यंभावी है। आने वाला समय ब्रिक्स का ही होगा। डॉलर , आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक इतिहास के पन्नों में रह जाएंगे।

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

इस बीच आइएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज देने से मना कर दिया है, ज़्योंकि उसकी क्षमता कर्ज लौटाने की नहीं रह गई है। हालांकि पीएम शहबाज शरीफ ने आइएमएफ से काफी मिन्नतें की थी, मगर आइएमएफ ने कमान खींच लिया। इससे पाकिस्तान का बुरा हाल हो चुका है। विश्व बैंक समेत दूसरी संस्थाओं ने भी पाकिस्तान को कर्ज देने से हाथ पीछे खींच लिया है। पाकिस्तान की रेटिंग बुरे दौर में है।

अब पाकिस्तान की दिवालिया होने से कोई नहीं बचा सकता। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तहस–नहस हो जाने से हाहाकार मचा है। कंगाल पाकिस्तान को खाने के लिए दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। आटा, दाल, चावल और रोटी के लिए भीषण जंग छिड़ी है। महंगाई की मार ने पाकिस्तान को दिवालिया बनाने के कगार पर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की यह हालत यूं ही नहीं हुई है। दरअसल पाकिस्तान को ज्यादातर पैसा टेरर फंडिंग से आता था। मगर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जुगलबंदी ने पाकिस्तान की टेरर फंडिंग पर ऐसा प्रहार किया कि उसका दंश शहबाज शरीफ आज तक झेल रहे हैं। पहले टेरर फंडिंग से ही पाकिस्तान की अर्थ व्यवस्था चल रही थी। मगर लगातार 4 वर्षों तक ग्रे लिस्ट में रहने के बाद पाकिस्तान टेरर फंड नहीं जुटा सका। इससे उसकी अर्थव्यवस्था तहस–नहस हो गई। आतंकवाद के खिलाफ भारत के जबरदस्त विरोध के चलते पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पाकिस्तान पर शिकंजा कस दिया था। ट्रंप ने साफ कह दिया था कि वह आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए अमेरिका ने पाकिस्तान को दी जाने वाली तत्कालीन आर्थिक मदद को भी रोक दिया था। इसके बाद इंटरनेशनल मॉनीटरिंग एजेंसी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे लिस्ट में डाल दिया था। इससे पाकिस्तान को दुनिया के तमाम देशों से होने वाली टेरर फंडिंग पर विराम लग गया था। टेरर फंडिंग पर एफएटीएफ ने निगरानी रखना शुरू कर दिया था। आपको बता दें कि एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रहने वाले देशों को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष समेत विश्व बैंक और अन्य बड़ी संस्थाएं फंड व कर्ज देना बंद कर देती हैं। पाकिस्तान के साथ भी यही हुआ। इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गर्त में जाती रही। ग्रे लिस्ट में करीब 4 वर्ष तक रहने के बाद अक्टूबर 2022 तक पाकिस्तान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मेहरबानी से बाहर तो आ गया, लेकिन तब तक उसकी अर्थव्यवस्था दरक चुकी थी ।पाकिस्तान को होने वाली टेरर फंडिंग पर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की तीर काफी असरदार साबित हुई है।

ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' का ट्रेलर जारी

गुड बैड फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित और ज़ी स्टूडियोज की नवीनतम प्रस्तुति मॉडर्न लव पर आधारित फिल्म 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' का ट्रेलर पिछले दिनों एक ग्रैंड इवेंट के दौरान मुंबई में जारी किया गया। निर्माता ङ्क रंजन सिंह, कबीर आहूजा और शारिक पटेल की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के ट्रेलर में ड्रामा, रोमांस, दर्द और मस्ती का तड़का के साथ दिखाया गया है कि डिजिटल युग के युवा प्यार के बारे में क्या सोचते हैं। फिल्म में नवोदित अभिनेत्री अलाया एफ और अभिनेता करण मेहता की जोड़ी नज़र आएगी। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म 3 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म के संगीतकार अमित त्रिवेदी हैं।

प्रस्तुति– काली दास पाण्डेय

सुख़ दुख़ तो अतिथि हैं, बारी–बारी से आएंगे चले जाएंगे

गोंदिया । वर्ष 1971 में आई फिल्म कभी धूप कभी छांव में गायक कवि प्रदीप का मशहूर गीत सुख दुख दोनों रहते जिसमें जीवन है वो गांव, कभी धूप तो कभी छांव, ऊपर वाला पासा फेंके नीचे चलते दांव, कभी धूप तो कभी छांव यह गीत आज हर युवा को सुनना चाहिए क्योंकि आज का युवा हमारे देश का भविष्य है और मेरा माननाहै कि वर्तमान चकाचौंध डिजिटल युग और पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से वर्तमान पीढ़ी में दुख, कष्ट,परेशानी से संघर्ष करने की क्षमता अपेक्षाकृत कम होती जा रही है। हर कोई चाहता है कि वह सुखों का मालिक बना रहें, दुख उसके पास फटके भी नहीं, परंतु वास्तविकता से दूर युवकों को हकीकत के नजदीक लाकर सुखों और दुखों को एक दूसरे का पर्यायवाची मानने की चर्चा आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगें हालांकि, अनेक युवा साथी सुख–दुख के चक्रव्यूह को भलीभांति पहचानते भी हैं ।साथियों बात अगर हम सुखों की करें तो मेरा मानना है कि आज हर व्यक्ति को दूसरे का सुख और समृद्धि अधिक दिखती है और अपनी कम, अपनी उपलब्धि से असंतुष्ट रहने वाला व्यक्ति पराई उपलब्धि से जलता रहता है या उस पर हस्तक्षेप करता रहता है। इससे अनेक उलझनें सामने आती हैं। वह हर तरह से सुखी और संपन्न होने पर भी दुखी और दरिद्र प्रतीत होता है। इसी कारण समस्याओं से भी घिरा रहता है। सुखी होने का बहुत सरल फामरूला है–संतुष्ट होना। सोचना यह है कि हमारा अपना क्या योगदान रहा। जैसे वे आए हम वैसे हो गए। इसीलिए हमारे ॠषि–मुनियों ने एक नई स्थिति हमें सौंपी है– आनंद। आनंद में हमारी भूमिका आरंभ हो जाती है। दुख कभी किसी के जीवन में कम नहीं होंगे, लेकिन जो आध्यात्मिक व्यक्ति होते हैं वे समझ जाते हैं कि दुख आए तो दुखी नहीं होना है। दुख का आना और हमारा दुखी होना इसमें हम जितना भेद कर देंगे, जितनी दूरी बना देंगे, उतने ही हम आनंद के निकट चले जाएंगे। सुख आता है तो मनुष्य अहंकार में डूब जाता है, दुख आता है तो तनावग्रस्त हो जाता है। ये दोनों ही चीजें भीतर से पैदा की गई हैं ।साथियों बात अगर हम सुख दुख के समान भाव की करें तो अनन्तानीह दु:खानि सुखं तृणलवोपमम् ।इस जगत में दु:ख अनंत है और सुख तो तृण की तरह अल्प ! इसलिए जिसमें सुख के पीछे दु:ख आता है वैसे सुखमें इन्सान ने आसक्ति नहीं रखनी चाहिए । एक धर्म में समता (समान भाव) का बहुत ही महत्व है। इसका अर्थ होता है सुख और दुख दोनों ही अवस्थाओं में अस्थिर नहीं होना, साम्य भाव रखना ।साथियों बात अगर हम मन के भावों की करें तो, किसी भाव के कारण ही अभाव का तथा अभाव विशेष के कारण ही भाव विशेष का महत्व है। मृत्यु, अंधकार, विषमता, विरह अथवा अपमान आदि के उपस्थित होने पर ही जीवन की अमरता, प्रकाश, अनुकूलता, मिलन अथवा मान–सम्मान के भाव की अनुभूति की जा सकती है। इसी प्रकार यदि दुख नहीं आएगा, तो सुख भी नहीं आएगा, क्योंकि दुख की अनुभूति के बाद ही संभव है सुख की अनुभूति। व्यक्ति सुख चाहता है, पर हर व्यक्ति सुखी नहीं रहता। कोई सुखी तो कोई दुखी है। आखिर सुख और दुःख क्या है ।हमारे शास्त्रकार कहते हैं कि जो इंद्रियों और मन के अनुकूल हो, वह सुख है और जो प्रतिकूल लगे वह दुःख है। भगवान हमारे हाथ में रोज सुबह एक सोने का सिक्का देते हैं जिसका हमें दिन भर अपने मन के मुताबिक उपयोग करना है, लेकिन इस सिक्के को कोई सुख खरीदने में उपयोग करता है, कोई दुःख खरीदने में, तो कोई लापरवाही के कारण बिना सिक्का खर्च किए लौट आता है। भगवान का यह सिक्का हमारे रोजाना के दिन हैं। कुछ लोग बाहरी चीजों में अपना सुख खोजते हैं, लेकिन इस चक्कर में वे दुःख के जाल में उलझकर रह जाते हैं ।साथियों बातें ग्राम दलाईलामा की प्रेरणा की करें तो, उन्होंने सुखी होने के लिए दूसरों के प्रति संवेदनशील होने की बात कही है। वह कहते हैं कि हमारी खुशी का स्त्रोत हमारे ही भीतर है और यह स्त्रोत दूसरों के प्रति संवेदना से पनपता है। दूसरे की प्रगति के प्रति जलन और ईर्ष्या मानवीय दुर्बलता है। इसी दुर्बलता ने न जाने कितनी बार मनुष्य को आपसी नफरत और द्वेष की लपटों में झोंका है, अच्छे–भले रिश्तों में इसी कारण दरारें पड़ती हैं और इसी कारण मनुष्य दुखी व अशांत हो जाता है। वस्तुतः सुख–शांति और आनंद को पाने के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है।

एड. किशन सनमुख़दास भावनानी

शेष है– मृत्यु का पता नहीं

मृत्यु का पता नहीं
मगर श्रेष्ठ जीवन
अभी शेष है।
नफ़रत का पता नहीं
मगर मोहब्बत की अभिलाषा
अभी शेष है।
आत्मसमर्पण का पता नहीं
मगर आत्मबलिदान का बोध
अभी शेष है।
मन में पनपते क्रोध का पता नहीं
मगर ह्रदय के आँचल में शांति
अभी शेष है।
आत्मग्लानि का पता नहीं
मगर आत्म साक्षातकार का बोध
अभी शेष है।
जीवन में लगी ठोकरओं का पता नहीं
मगर खड़े होकर मार्ग पर चलना
अभी शेष है।

राजीव डोगरा

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:
मो.: 8423454502, 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.– 9335908846, bps.knp786@gmail.com

31 जनवरी तक होगा नवयोदय विद्यालय में प्रवेश

नवयोदय विद्यालय में कक्षा 6 से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू,29 अप्रैल को होगी प्रवेश परीक्षा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । नवयोदय विघालय में ऑन लाइन नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। सरसौल स्थित नवयोदय विघालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आगामी 31 जनवरी अंतिम तिथि होगी।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते विधालय के प्रधानाचार्य डा0 एमके जैन ने बताया गया कि जो भी अभिभावक अपने बच्चों को कक्षा 6 में प्रवेश दिलाना चाहते है वह 31 जनवरी तक नि:शुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते है, जिसके लिए प्रवेश आवेदन प्रक्रिया नवोयल विधालय समिति, मुख्यालय नाएडा की वेबसाइट पर की जा सकती है।

बताया 31 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन स्तीकार किये जायेगे तथा प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को सम्पन्न कराई जायेगी। बताया कि नगर के सरकारी तथा सरकारी मान्यता प्राप्त विधालयों में कक्षा 5 से अध्यनरत हो चुके विधार्थी इस अवेदन प्रक्रिया में शामिल हो सकते है। आवेदन के लिए जन्मतिथि 1 मई 2011 से 30 अप्रैल 2013 के मध्य होनी चाहिए। बताया कि 80 सीटो में एक तिहाई सीटें छात्राओं की तथा 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यार्थियों के लिए आरक्षित है। फरवरी के दूसरे सप्ताह तक आईआईटी जारी करेगा चयनित अभ्यार्थियों की सूची भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान(आईआईटी) में शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए एमबीए पाठ्यक्रम3 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रवेश प्रक्रिया में 31 जनवरी तक विधार्थी ऑनलाइन के माध्यम से अपना आवेदन कर सकते है। आईआइटी प्रशासन के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूण होने के उपरान्त फरवरी के दूसरे सप्ताह तक चयनित अभ्यार्थियों की सूची जारी की जा सकती है। बताया गया कि 16 से 19 मार्च तक साक्षात्कार प्रक्रिया आयेजित की जायेगी और इसमें यचनित किये गये अभ्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा।

नानाराव घाट में आयोजित श्री शिवपुराण एवं श्री मद्भागवत कथा में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

बीपीएस न्यूज

कानपुर।नानाराव घाट में आयोजित श्री शिव पुराण एवम श्री मद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने श्री छावनी रामलीला कमेटी के अध्यक्ष एवम कार्यक्रम के संरक्षक धर्मभीरू श्री सिध्दार्थ काशिवार , दीपेश तिवारी एवम पंडित कृष्णा महाकाल, हिमांशु महाकाल, पंडित संतकुमार तिवारी, पंडित मनीष शुक्लाआदि उपस्थित रहे। भागवत कथा व्यास शुभानन्द शास्त्री एवम श्री शिव पुराण कथा व्यास यादवेंद्र दास के द्वारा कथा का अमृत पान भक्तो को कराया जा रहा। कार्यक्रम आयोजक आचार्य मनीष महाकाल ने बताया इस आयोजन का उद्देश्य धनार्जन करना नही अपितु भारत देश में लोगो को धर्म के प्रति सजग करना एवम भारत देश की अखंडता, सुख समृद्धि, एवम शांति के लिए किया गया है।

शिक्षक होने के नाते सही मूल्यांकन करे राज बहादुर सिंह चंदेल

बीपीएस न्यूज

कानपुर । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के एम एल सी के लिए शिक्षक विधायक का 30 जनवरी को होना है। आप शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल का जी एन के इंटर कॉलेज, सिविल लाइन के प्रांगण मे स्वागत व अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। मंच का संचालन श्री नारायण मिश्रा ने किया।जी एन के इंटर कॉलेज, विघा मंदिर इंटर कालेज के शिक्षक व शिक्षकाओ ने माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनन्दन किया।

शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने अपने सम्बोधन मे कहा कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सही प्रतिनिधि का चुनाव करे, शिक्षक राजनीति मे राजनीति दल भी उत्तर आये है। हमे बहुत ही सोच समझ कर वोट करना चाहिये। समाज से और शिक्षा व्यवस्था से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिये शिक्षक होने के नाते सही मूल्यांकन करे। तभी आप की समस्याओ का निराकरण हो सकता है। अपनी विधायक निधि से किसी को एक पैसा भी नही दिया है श्री नारायण मिश्रा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि सरकारी कालेज मे फीस नाम मात्र की ली जाती है,लेकिन बिजली का प्रयोग होता है उसको कम करने के लिए जी एन के इंटर कॉलेज मे सोलर लाइट की व्यवस्था कर दी गई है। महिला टायलेट व शिक्षको के लिये रासयन विज्ञान की लैब का भी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शिक्षक नेता सत्येन्द्र कुमार शुक्ला ने कहा कि 1991 से लगातार ईमानदारी से कार्य करने के कारण लगातार विजय होते आ रहे है। शिक्षक समुदाये अपने वोट का प्रयोग बहुत सोच समझकर करना चाहिए।

अन्त मे जी एन के इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य अशोक शुक्ला ने कहा कि अपने पूरे जीवन काल मे चंदेल साहब ने बहुत ही मेहनत, लगन व ईमानदारी से कार्य किया है। शिक्षक समुदाये अपने मत का प्रयोग बहुत सोच कर ही करे। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से आर सी मिश्रा,राजेन्द्र प्रताप सिंह, गोविंद सिंह, बी एन टंडन, आलोक पाण्डेय,दिलीप कुमार मिश्रा,शिवेंद्र सिंह भदौरिया, वीरेंद्र सिंह यादव, कृष्ण मोहन शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

जिला कारागार में संस्था द्वारा महिला कैदियों को बांटे गए कंबल

बीपीएस न्यूज

फतेहपुर। ओम जन सेवा संस्थान कानपुर नगर एवं मानवाधिकार उपभोक्ता फोरम नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जिला कारागार जनपद फतेहपुर में कम्बल व खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मानव अधिकार उपभोक्ता फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कुमार अग्रहरि एवं संस्था की संस्थापिका/अध्यक्षा शिव देवी अग्रहरि(सीमा) ने अपने-अपने विचार रखे साथ में जेल अधीक्षक महोदय ने भी सभी को अपने संबोधन से ओत-प्रोत किया एवं अधीक्षक महोदय द्वारा दोनों संस्थाओं के सामाजिक कार्यों की सराहना की एवं संस्था की अध्यक्षा को सम्मानित किया।

इस अवसर पर डिप्टी जेलर अंजनी कुमार ,नगर निगम कानपुर उपसभापति कैलाश पांडे (पार्षद)की पत्नी सोनी पांडे, जिला संयोजक भाजपा उमा शरण गुप्ता, मानव अधिकार जिला सचिव इंजीनियर आयुष मौर्य ,जिला सचिव उमेश सिंह भदौरिया, बृजेश कुमार त्रिपाठी, जिला विधि सलाहकार नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा, समाजसेवी आकाश गुप्ता, समाज सेवी अंकित अग्रहरि आदि लोग मौजूद रहे।

स्ट्रीट वेण्डरों की समस्याओं को लेकर मण्डलायुक्त को ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर, वेंडर्स की विभिन्न समस्याओं को लेकर कानपुर स्ट्रीट वेण्डरों द्वारा शुक्रवार को मण्डलायुक्त कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गयी कि पत्र विक्रेता अधिनियम 2014-2017 मा0 पालियामैन्ट्री कमेटी का क्रियान्वयन किया जाये साथ ही 21-9-2022 को अपन नगर आयुक्त रोली गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित टीवीसी की बैठक जो कोरम पूरा न होने के बाद भी ली गयी, उसमें लिये गये सभी निर्णयों को निरस्त किया जाये।

इस दौरान आभा चतुर्वेदी तथा संस्था के अध्यक्ष सत्यनारायण ने कहा कि वेण्डिंग सर्टिफिकेट प्राप्त वेण्डर्स का उत्पीडन एवं बेदखली पर रोक लगायी जाये व टीवीसी के पारित वेण्डिंग जोने को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल करने के साथ ही स्मार्ट सिटी द्वार बनाये जा रहे फूड हब निर्माण में चिन्हित किये गये वेण्डरों की सूची टीवीसी के माध्यम से निर्धारित की जाये, इसके साथ ही परेड बाजार में पत्र विक्रेताओं के साथ जीएमटीवाई पोर्टबल निर्माण प्रा0लि0 व उके प्रतिनिध तंजीम सौलक द्वारा की की धोखाधडी के सम्बन्ध में उस पर एफआईआर दर्ज करायी जाये। कहा गया मोतीझील के 45 स्ट्री वेण्डर को फूडहब में शामिल किया जये उन्हे पोर्टेबल दुकाने दी जाये व टीवीसी द्वारा प्रस्तावित फूलबाग, किला बाजार को माडल बाजार तय होने के बाद अभी तक आवंटन नही किया गया, जिसे तत्काल आवंटित किया जये साथ ही संगठन द्वारा जोन 6 स्थित प्रस्तावित गुरुदेव बाजार को वेण्डिंग जोन बनाया जाये। इस दौरान अध्यक्ष सत्य नारायण, छोटेलाल, मुखतार अहमद, राकेश गुप्ता, मोहन लाल पासवार, अतुल कटियार, अजय सोनकर, दिनेश आदि उपस्थित रहें।

बिना किसी व्यवस्था व तैयारियों के प्रायोगात्मक परीक्षा कराना, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर नगर, बिना उपकरणों तथा तैयारियों के प्रयोगात्मक परिक्षाओं की घोषणा छात्रो तथा अभिभावकों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है, बिना किसी उपकरण तथा तैयारियों के यदि यह प्रयोगात्मक परीक्षाये हुई तो ऐसे में छात्रों का भविष्य खतरे में पड सकता है, यह बात अभिभावक न्याय मोर्चा के संयोजनक अभिमन्यु गुप्ता ने की। उन्होने शुक्रवार को संयुक्त निदेशक शिक्षा कार्यालय में इस विषय को लेकर अभिभावकों के साथ नारेबाजी की तथा विरोध के साथ ही ज्ञापन देकर संयुक्त निदेशक से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन के दौरान अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग से सहायता प्राप्त स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशाला का संचालन ठप्प है, उपकरण खरीदने के लिए बजट नही है, विभाग द्वारा उपकरण शुल्क निर्धारण नही किया गया वहीं एक छात्र से 5रू0 प्रतिमाह लिया जाता है, जबकि महंगाई कई गुना बढ चुकी है। कहा ऐसी अवस्था में 29 जनवरी से 12वीं के विधार्थियों की प्रयोगिग परीक्षाये शुरू हो रही है। छात्रों की किसी प्रकार से कोई तैयारी नही है, बिना उपकरण व बिना किसी तैयारी के परिक्षाओं को आयोजित करना छात्रों के भविष्य के साथ ही अभिभावकों के विश्वास के साथ ही धोखा व खिलवाड है। उपस्थित अभिभावकों ने सवाल किया कि प्रयोगशालाओं में टेस्ट ट्यमब, परखनी, स्टैंड, बीकर, माइक्रोस्कोप जैसे उपकरण व आवश्यक केमिकल नही है क्या ऐसे में परीक्षाये कराई जायेगी।

अभिभावक संघर्ष मोर्चा द्वारा मांग की गयी कि तत्काल संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा हस्तक्षेप करके सुनिश्चित करें कि सभी जिलों के विधालयों की प्रयोगशालाओं में उपकरण और तैयारियां बिलकुल सही हो, यदि ऐसा नही हुआ और कोई कार्यवाही नही की गयी तो अभिभावक निदेशक कार्यालय के बाहर सत्याग्रह करने को मजबूर होंगे। इस दौरान सुनील यादव, साकिफ कुरैशी, विनय कुमार, अनिल गुप्ता, मनीष शर्मा, विनीत कपूर, प्रदीप तिवारी, संजीव चाहान, नवीन आदि उपस्थित रहे।

छोटे व्यापारियों के भुगतान को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन

समग्र शिक्षा अभियान तथा अन्य योजनाओं में छोटे व्यापारियों को भुगतान न मिलने का किया गया विरोध

कानपुर नगर, समग्र शिक्षा अभियान तथा अन्य कई योजनाओ के अंतर्गत यूनिफार्म तथा अन्य सामग्री का काफी समय बीतने के बाद भी छोटे व्यापारियों को भुगतान न मिलपाने का विरोध करते हुए उत्तर प्रदेश प्रांतीय व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की गयी तथा समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।विरोध प्रदर्शन के दौरान उपस्थित व्यापारियों ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापारी सप्लाई भी करें और फिर अपने ही पैसे को पाने के लिए भीख मांगे और चोर बने। प्रांतीय व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2018 से समग्र शिक्षा अभियान व अन्य कई योजनाओं के अंतर्गत कानपुर नगर के मान्यता प्राप्त विधालयों में निशुल्क यूनिफार्म वितरण व अन्य कई सामग्री वितरण के उपरांत अवशेष 50 प्रतिशत से भी ज्यादा का भुगतान अभी तक न होना भ्रष्टाचार और उत्पीडन की ओर इशारा करता है। उन्होने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से बेसिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष व्यापारियों की परेशानियों को रखा गया है कि नगर के आशसकी सहायता प्राप्त मदरसा, समाजकल्याण के तंगर्त संचालित विधालयों द्वारा शासन के निर्देशो के अनुपालन में जो निशुल्क यूनिफार्म वितरण कराया गया था उसका 50 प्रतिशत भुगतान विधालय प्रबंध समिति के खातों में स्थानतरित किया जा चुका है प्रतिनिधी मण्डल ने अविलम्ब लंबित भुगतान करने की कार्यवाही करने का निवेदन किया तथा कहा इसके बाद भी यदि उनकी सुनवाई नही होती है तो व्यापारी सडक पर उतरने पर मजबूर होगा, इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष सुनली यादव, धीरेंद्र यादव, जय गुप्ता, शुभ गुप्ता, प्रदीप तिवारी, इम्तियाद, साकिफ कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

फाइलेरिया नेटवर्क उपचार और प्रबंधन पर दे रहा जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद के ब्लॉक कल्याणपुर, सरसौल और घाटमपुर में फाइलेरिया नेटवर्क ने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जिम्मा उठाया है। इस कार्य में अब जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग मिल रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को कल्याणपुर ब्लॉक के बिनौर ग्राम सभा में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरविंद कुमार ने लोगों को मच्छरों से बचने के लिए नालियों में छिड़काव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि जागरूकता फैलाने में फाइलेरिया नेटवर्क का कार्य सराहनीय है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए लोग आगे आएं। अरविंद कुमार की ओर से सागर माता नेटवर्क की मासिक बैठक में नेटवर्क सदस्यों से चर्चा की गई। उन्हें बताया गया कि जिला स्वास्थ्य समिति जिले को फाइलेरिया मुक्त करने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सामुदायिक स्तर पर लोगों का जागरूक होना जरूरी है। फाइलेरिया कभी न ठीक होने वाली बीमारी है। यदि एक बार हो गया तो उसे ठीक नहीं किया सकता है। इसलिए जरूरी है कि समय पर इसकी पहचान करके इस बीमारी को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया से बचाव और रोकथाम के लिए साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि फाइलेरिया रोकथाम के लिए जो भी अभियान चलाए, जा रहे उसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें। जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह का कहना है कि मोर्बिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रिवेंशन (एमएमडीपी) यानि रुग्णता प्रबंधन एवं विकलांगता की रोकथाम के जरिए हाइड्रोसील और लिम्फेडेमा से संक्रमित व्यक्तियों की देखभाल व उनको समुचित इलाज प्रदान किया जा रहा है। यह भी बताया कि फाइलेरिया रोधी दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। सामान्य लोगों को इन दवाओं के खाने से किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव नहीं होते हैं और अगर किसी को दवा खाने के बाद उल्टी, चक्कर, खुजली या जी मिचलाने जैसे लक्षण होते हैं तो यह इसका प्रतीक है कि उस व्यक्ति के शरीर में फाइलेरिया के कीटाणु मौजूद हैं, जोकि दवा खाने के बाद कीटाणुओं के मरने से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि साल में केवल एक बार फाइलेरिया रोधी दवाएं खाने से फाइलेरिया के संक्रमण से बचा जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को ये दवाएं नहीं खानी हैं।

दवा बाजार में कमेटी बनाकर पदाधिकारी किए गए नियुक्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर बिरहाना रोड दवा बाजार अवस्थी मार्केट मैं व्यापार मंडल की एक बैठक की गई। जिसमें चेयरमैन संजय मल्होत्रा, अध्यक्ष राजेंद्र सैनी, महामंत्री नंदकिशोर ओझा, सम्मिलित हुए। व्यापार मंडल की इस बैठक में एक कमेटी गठित करते हुए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। जिसमें चंद्र प्रकाश को संरक्षक, शैलेंद्र शीलू को अध्यक्ष, महेश बाजपेई को उपाध्यक्ष, रजूल गुप्ता को वरिष्ठ मंत्री, अनुराग जैन को मंत्री, अनुराग पांडे को सहायक मंत्री बनाया गया।

बिरहाना रोड: दवा व्यापारियों ने की बैठक, बनाया शुक्ला मार्केट के अरुण कुमार अस्थाना को अध्यक्ष

कानपुर। बी पी एस न्यूज 孠 दवा व्यापार मंडल द्वारा एक मीटिंग आयोजित की गई। उस मीटिंग में रूपचंद मार्केट और शुक्ला मार्केट के दवाई व्यापारियों के संग मीटिंग की गई। व्यापार मंडल के चेयरमैन नंदकिशोर, महामंत्री संजय मल्होत्रा, अध्यक्ष राजेंद्र सैनी की अध्यक्षता में शुक्ला मार्केट के जय अंबे ट्रेडर्स से अरुण कुमार अस्थाना को अध्यक्ष पद एवं प्रमोद दीक्षित को संरक्षक, एवं करुणेश मिश्रा को उपाध्यक्ष, रूपचंद मार्केट से जय किशन को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। और आगे कार्य करने की जिम्मेदारी पदाधिकारियों द्वारा दी गई इस कार्यक्रम में बंदना मेडिकोज के संजय शुक्ला सहित सभी व्यापारी सम्मिलित हुए और सबका अभिवादन किया गया।

बजरिया पुलिस की लापरवाही के चलते पीड़ित को नही मिल रहा इंसाफ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मामला नेहरू नगर का है जहां पीड़ित जय शंकर साहू मकान न. 107/191 नेहरू नगर में बेकरी का कारोबार करते चले आ रहे हैं और वर्ष 1992 से किराए पर हैं और किराया भी समय से देते आ रहे हैं जिसकी पूरी लिखापढ़ी भी पीड़ित ने करा रखी है।वर्ष 2007 में पीड़ित ने अपना कारोबार बढ़ाने के लिए मकान मालिक की सहमति से रुपए 6,92000 की रकम देकर तीन दुकानें और लिखापढ़ी से ले ली थीं ।और वर्ष 2015 में तीन दुकानें लौटा दी और कारखाना अपने पास रखा मकान मालिक द्वारा इस रकम को लौटाने पर कारखाना खाली करवाने को कहा था।वर्ष 2017 में मकान मालिक की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी द्वारा एक बिल्डर से मिलकर जगह को एग्रीमेंट कर बेच दिया जिसके बाद पीड़ित को बिना सूचना दिए दीवाल तोड़ कर कारखाने में दीवार बना दी और अंदर रखा सारा सामान जिसकी कीमत लगभग 500000 थी ।उठा ले गए। पीड़ित ने जिसकी सूचना पुलिस को भी दी पर उल्टा पीड़ित को ही न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है। जिसके कारण पीड़ित ने आईरा प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस कर न्याय की गुहार लगाई है।

पनकी पुलिस ने एक हफ्ते के अंदर हत्याकांड से उठाया पर्दा

- अवैध संबंधों और ब्लैकमेल करने के चक्कर में हुई थी हत्या।
- घटना छिपाने पर चार लोगों पर भी दर्ज हुआ मुकदमा।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीते शनिवार को दीपक उर्फ पप्पू पुत्र स्व0 रामा सिंह नि0 गंगागंज थाना पनकी की हत्या कर दी गई थी।इस हत्याकांड को कमिश्नरेट पनकी थाना पुलिस ने एक सप्ताह के अंदर ही पर्दाफाष कर दिया है। पुलिस ने महिला समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अब तक की हुई जांच में अभियुक्तों ने अवैध संबंधों के चक्कर में दीपक की हत्या करने की बात कबूल की है। दोनों हत्यारोपी रिश्ते में मामा और भांजे हैं।पुलिस पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ विधिक कार्यवाही कर रही है।

षनिवार को हुई युवक दीपक की हत्या के मामले में पनकी पुलिस ने अज्ञात हत्यारोपियों के खिलाफ धारा 302 व 120बी के तहत मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस मुकदमा की जांच में सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरे व सीडीआर तथा अन्य तकनीकी मदद लेकर पनकी पुलिस ने सप्ताह भर के अंदर घटना का अनावरण कर दिया। पकडे गए

आरोपियों में पंकज उर्फ गोलू (25) पुत्र स्व0 बबलू नि0 पनकी कला , बदन सिंह (30) पुत्र चन्द्रिका नि0 सचेण्डी कानपुर नगर व बिट्टी उर्फ आशा (45) पत्नी स्व0 बबलू नि0 पनकी कला थाना पनकी को गिरफ्तार किया गया।पंकज और बदन सिंह रिश्ते में मामा भांजे हैं।पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पंकज उर्फ गोलू की मां बिट्टी उर्फ आशा का मृतक पप्पू से प्रेम सम्बन्ध थे इस कारण अभि0 पंकज उर्फ गोलू की सामाजिक प्रतिष्ठा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रही थी तथा दीपक उन लोगों से पैसे की माँग करता था।अभियुक्तों ने बताया कि दिनांक 01 जनवरी 2023 को भी मृतक दीपक उर्फ पप्पू शराब पीकर पंकज उर्फ गोलू के घर पर चढ़ आया था, तथा गाली गलौज व उपद्रव किया था। पप्पू आये दिन शराब पीकर पंकज उर्फ गोलू के घर पर रात-विरात पहुँचकर गाली-गलौज करता था। घटना वाले दिन 13.जनवरी 2023 को भी मृतक का फोन अभियुक्त की मां के पास आया था जो नशे में गाली गलौज करते हुये रूपये की मांग कर रहा था इसी बात से नाराज होकर अभियुक्तगण ने साजिश रचकर सुनियोजित तरीके से हत्याकांड को अंजाम दे डाला। पुलिस से घटना छिपाने पर एक अन्य पर धारा 202 के तहत शशांक सक्सेना पुत्र स्व0 बागीश चन्द्र सक्सेना निवासी गंगागंज पनकी कानपुर नगर जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र करन सिंह निवासी गंगागंज पनकी कानपुर , देवेन्द्र उर्फ जैकी पुत्र करन सिंह निवासी गंगागंज पनगी कानपुर व सतेन्द्र सिंह पुत्र करन सिंह नि0 गंगागंज पनगी कानपुर के है विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।उपरोक्त चारों व्यक्तियों द्वारा घटना की जानकारी होने पर भी घटना के सम्बन्ध में पुलिस को नही बताया था।अभियुक्तो को गिरफ्तार करने वाली टीम में मुख्य रूप से टीम प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह, उ0नि0 मनोज कुमार दीक्षित, अमित मलिक, दीपक कुमार, हे0का0 मनोज कुमार, विष्णु पाल सिंह, का0 अनार सिंह, कुलदीप सिंह, नयन सिंह, विजय सिंह, अनिल कुमार का चालक विनय कुमार, म0का0 रेनू प्रजापति, सर्विलांश टीम उ0नि0 शिव प्रताप सिंह प्रभारी मय स्वाट टीम शामिल रहे। घटना का

नकली नोट छापने में आईबी ने शुरू की जांच

- लखनऊ आईबी एसपी ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट, नकली नोट गिरोह में शामिल फौजी

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। पतारा में बीते एक अक्टूबर को पुलिस ने नकली नोट मार्केट में चलाने वाले एक गिरोह को पकड़ा था, पुलिस ने बीते दिनों नाबालिग समेत तीन युवकों को पूछताछ कर जेल भेज दिया था, पूछताछ में एक फौजी का नाम सामने आया था, पुलिस को जानकारी मिली है कि फौजी समेत उसके दोस्त एटीएम हैकर है। शुक्रवार को लखनऊ आईबी एसपी ने घाटमपुर पुलिस से संपर्क कर रिपोर्ट मांगी। मामले में आईबी ने अपनी जांच शुरू कर दी है। आईबी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा में परचून की दुकान में नकली नोट चलाने आए दो युवकों को पुलिस ने बीते एक अक्टूबर को गिरफ्तार किया था, पकड़े गए युवकों ने अपनी पहचान कानपुर के वरुण विहार बर्रा 8 निवासी विभु यादव के रूप में बताई थी, जिसमे एक युवक नाबालिग था। जिनके पास से एक प्रिंट मशीन समेत 42100 रुपए के नकली नोट, दो पेपर पैकेट, व दो कटर बरामद किए थे, जिन्हे पुलिस ने जांच के लिए देवास लैब भेजा था। पुलिस ने युवकों को जेल भेजने के साथ मामले की जांच शुरू की थी, जांच के दौरान पुलिस को कानपुर देहात के पनियनमऊ निवासी अर्पित सचान का नाम सामने आया था, पुलिस ने अर्पित सचान को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने गिरोह में एक फौजी समेत चार लोगों के नाम पुलिस को बताए है।

मामले की जांच कर रहे दरोगा प्रवास शर्मा ने पकड़े गए युवक अर्पित सचान से पूछताछ की तो युवक ने नरवल के रहने वाले जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात एक फौजी समेत चार लोगों के नाम बताए है, जिनके गिरोह में शामिल होने की जानकारी दी है। पुलिस फौजी की भूमिका की जांच में जुटी है। वही अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

फौजी के साथी भी है, एटीएम हैकर

घाटमपुर पुलिस ने नकली नोट के गिरोह में फौजी के शामिल होने की जानकारी के बाद फौजी की भूमिका की जांच शुरू कि तो पता चला कि फौजी एटीएम हैकर है, जब पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की तो पुलिस को जांच के दौरान यह बात पता चली है, कि फौजी समेत उसके कई दोस्त एटीएम हैकर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला से बात की तो उन्होंने बताया मामले में जांच की जा रही है। जो नाम प्रकाश में आए है, उन्हें विवेचना में शामिल किया जा रहा है। कार्रवाई की जाएगी।

आईबी ने शुरू की जांच, पुलिस से मांगी रिपोर्ट

घाटमपुर पुलिस से लखनऊ आईबी एसपी ने नकली नोट मामले में शामिल फौजी से संबंधित जानकारी व रिपोर्ट तलब की है, जिसके बाद आईबी ने अपनी जांच शुरू कर दी है। आईबी ने फौजी के नकली नोट छापने वाले गिरोह में शामिल होने व उसके परिजनों के संबंध किस किस के साथ है, कौन कौन फौजी के दोस्त है, समेत कई बिंदुओं पर अपनी जांच शुरू की है। आईबी यह भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने फौजी के घर दी दबिश, घर पर मिली वृद्धा

घाटमपुर पुलिस ने शुक्रवार शाम नरवल के रहने वाले फौजी के घर में दबिश दी है। पुलिस को फौजी के घर पर सिर्फ एक बुजुर्ग महिला मिली है, जिसमे पुलिस को बताया कि घर के सभी लोग कही बाहर चले गए है। जिसके बाद पुलिस आसपास रहने वाले पड़ोसियों से पूछताछ कर वापस लौट आई है।

अवैध इमारत पर गरजा आवास एवं विकास परिषद का बुलडोजर

कानपुर ।कल्यानपुर कार्यालय के सामने होता रहा अवैध निर्माण,आवास एवं विकास परिषद के अधिकारी बने रहे मूक दर्शक रेजिडेंशियल इमारत की जगह तानी गयी कामर्शियल बिल्डिंग बाहरी साइड में निकाली गई कई दुकानें किराए पर उठी बाहरी साइड के तीन मीटर एरिया को ध्वस्त करने में जुटी जेसीबीकई पिलर और गेट के साथ जेसीबी की जद आई कई दुकानें बिल्डिंग मालिक ने जेसीबी पर किया हमला,तोड़ा शीशा, ड्राइवर बाल बाल बचा पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत लिया फिर छोड़ा अगर कोई हादसा होता तो फिर किसकी होती जिम्मेदारी ?क्या बिल्डिंग मालिक पर सरकारी कार्य मे बाधा डालने पर होगी कार्यवाई ? बिल्डिंग बनने के दौरान मुक़दर्शक बनकर बिल्डिंग बनने का किया गया इंतजार आखिर उन लापरवाह अधिकारियों पर क्या होगी कार्यवाई ? बिल्डिंग का मामला कोर्ट में विचाराधीन-बिल्डिंग मालिक कल्यानपुर के बगिया क्रॉसिंग पर स्थित आवास एवं विकास परिषद के सामने का मामला बताया जा रहा है ।

चोरी की बाइक से सवारी पड़ गई भारी, 8 वाहन बरामद

बीपीएस न्यूज

कानपुरा ।चोरी की बाइक से सवारी पड़ गई चोरों को भारी वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो वाहन चोरों को दबोच लिया। जब पुलिस ने उनसे कड़ाई से पूछताछ की तो अभियुक्तों ने पूर्व में चुराई गई गाड़ियों के बारे में कुबूल कर लिया। वाहन चोरों के पास से चोरी के 8 वाहन बरामद हुए हैं। पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।गुरुवार देर रात गस्त में लगी चकेरी पुलिस को सूचना मिली की कुछ दिन पहले जो मोटरसाईकिल चारखम्भा श्यामनगर से चोरी गयी है, उसी मोटरसाईकिल पर सवार दो लड़के छप्पन भोग चौराहे से पीएसी बाईपास की ओर आ रहे हैं। इस सूचना पर पीएसी बाईपास श्यामनगर पर सघनता से वाहन चेकिंग की जा रही थी तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लड़के छप्पन भोग की तरफ से आ रहे थे कि पुलिस बल को देखकर गाड़ी मोड़कर भागने का प्रयास किया। जिनको घेरकर समय देर रात्रि रोका गया। मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों से नाम पता पूछा गया तो पकड़े गये व्यक्तियों ने अपना नाम ईशू सिंह उर्फ शान्तनु सिंह पुत्र मनोज सिंह नि0 6 गोपाल नगर जुगईया मोड़ थाना बिधनू उम्र 19 वर्ष, किशन उर्फ बेटी पुत्र राजेश कुमार नि0 एच 96 गोपाल नगर किदवई नगर थाना किदवई नगर उम्र 20 वर्ष बताया। अभियुक्तों से गहनता से पूछताछ करने पर यह बात प्रकाश में आई कि इनके द्वारा वाहन चोरी किया जाता है जिन्हें बेचने के लिये एक जगह पर इकट्ठा कर सजारी मोड़ कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में छिपाकर रखे हैं।

पुलिस ने किया बुजुर्ग दम्पति हत्याकाण्ड का खुलासा

मुंहबोले नाती और उसके साथियों ने मिल कर की थी हत्या

प्रगति प्रभात

कानपुर। ककवन में बुजुर्ग दम्पति की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया।बुजुर्ग दम्पति की हत्या मुंहबोले नाती ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने चार बदमाशों को लूट के माल के साथ दबोच लिया है। मुख्य सरगना पुलिस के हाथ नहीं लगा है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा सस्पेक्टेड बहू सपना को पुलिस ने अभी क्लीनचिट नहीं दी है। पुलिस आयुक्त ने पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रेस वार्ता की।

ककवन के फत्तेपुर गांव में 13 जनवरी रात बीडीसी सदस्य राजकुमार के बुजुर्ग पिता छम्मी लाल व मां रामवती की गला दबाकर हत्या कर दी गयी थी। दूसरे कमरे में सो रही पत्नी सपना को बंधक बनाकर बदमाशों ने लाखों की डकैती की अंजाम दिया था। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड, डीसीपी विजय ढुल, एडीसी लखन यादव ने प्रेस वार्ता कर बताया कि डकैती की पूरी योजना राजकुमार के दोस्त हिमाशूं ने बनायी थी। घटना वाले दिन हिमाशु औरैया निवासी अपने दोस्त विवेक कुमार, ईर्श, शिशु यादव अतुल के साथ ककवन पहुंचा था। रात करीब 11 बजे मुंहबोले नाना छम्मीलाल को आवाज दी थी तो उन्होंने दरवाजा खोल दिया। उन्हें नहीं पता था की मेहमान बनकर आये हिमाशु और उसके दोस्त उनके लिये काल बनने वाले है। रात करीब तीन बजे सोते में ही इन बदमाशों ने दोनों बुजुर्गो की हत्या कर दी। उसके बाद बगल के कमरे में सो रही बहू को बंधक बनाकर अलमारी की चॉबी ली और लूटपाट करके भाग निकले। पुलिस ने सर्विलांस सिस्टम, गांव के एक बुजुर्ग से बदमाशों की गाड़ी की आवाज के जरिये उन तक पहुंची। मुख्य सरगना हिमांशु और उसके एक साथी फरार है।

छम्मी लाल बुजुर्ग थे हर किसी की मदद करते थे। गांव के लोग भी उनके यहां टीवी देखने या सामान लेने अक्सर रात को आ जाते थे जिसका फायदा बदमाशों ने उठाया। घटना वाली रात वारदात करने पहुंचे हिमाशु और उसके साथियों का इरादा चोरी करने का था पर पहचाने जाने के डर और छम्मी लाल के जागने के कारण उनहें मौत की घाट उतार दिया। जबकि बुजुर्ग रामरती और बहू को पता ही नहीं था कि घर में कोई मेहमान बन आया है। राजकुमार की बहन औरैया में हिमाशुं के घर के करीब ब्याही है तो वहीं हिमांशु के मामा बिल्हौर में रहते है जिसके चलते राजकुमार से इनकी जान पहचान थी।

इस पूरे घटनाक्रम में बहू सपना पुलिस की राडार पर थी। घटना के बाद बहू ने अलमारी का लॉक क्यों तोड़ा इसका जवाब पुलिस खोज रही है। पुलिस ने बताया कि गांव के एक बुजुर्ग ने बाइक की आवाज सुनी थी जिसके बाद पुलिस ने रिहर्सल करके कई बाइकें गांव में चलवाई जिसमें दो बाइकों की अवाज का मिलान किया गया। इस बीच हिमांशु का नम्बर एक्टिव होने और ककवन में बंद होने से शक गहरा गया। फिर अुतल का नम्बर हिमांशु की सीडीआर से मिला जिसे ट्रेस किया तो घटना के वक्त लोकेशन यहां मिली बस यहीं से कड़ियां जुड़ती चल गयी। पुलिस ने लूटे गया सोने चांदी के जेवर बरामद किये है। गुडवर्क करने वाली टीम को एक लाख का इनाम दिया जायेगा।

डीएम ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों को दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, विशाख जी0 द्वारा आज राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में विधान परिषद, कानपुर खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन, को स्वतंत्र, निष्पक्ष संपादित कराने हेतु पॉलिटेक्निक स्थित पीठासीन अधिकारियों के चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त कार्यक्रम में दो पालियों में 800 मतदान अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के साथ उपस्थित अन्य अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए 7 जिला पंचायत राज अधिकारी/सहायक प्रभारी अधिकारी, प्रशिक्षण एवं प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण हेतु प्रत्येक पाली में कर्मचारी निर्धारित समयावधि में उपस्थित रहें। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन एवं मतदान अधिकारी प्रथम,

द्वितीय एवं तृतीय को समस्त मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि निर्वाचन के दौरान किसी प्रकार से कोई समस्या उत्पन्न ना हो ।प्रशिक्षण के दौरान यदि मतदान अधिकारी को किसी प्रकार का संशय होता है तो उनका समाधान प्रशिक्षण के दौरान ही मास्टर ट्रेनर के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्राप्त कर लिया जाए। सहायक प्रभारी अधिकारी, प्रशिक्षण एवं प्रबंधन निर्वाचन कार्य में लगाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराकर समस्त को प्रशिक्षण प्रदान कराना सुनिश्चित करें।

हदय रोग संस्थान में मरीजो की संख्या नही हुई कम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सर्दी का सितम अभी बरकार चल रहा है। बीते दिनों की तरह गुरूवार को भी ओपीडी में 890 मरीज कॉर्डियोलॉजी में आए जिसमें 55 नए मरीजो को भर्ती किया गया तो वही 41 मरीजो का आपरेशन किया गया। हालंकि गुरूवार को मौत का कोई आंकडा सामने नही आया,लेकिन हदयघात के मरीज जरूर आए। ठंड का प्रकोप अभी तक नियमित जारी है। मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक बारिश के आसार जताए है जिसको लेकर मरीजो को अलर्ट किया है। एल पी एस हदय रोग संस्थान के निदेशक डा0 विनय कृष्णा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सर्दी में मरीजो की मौत का आंकडा बढ जाता है क्योंकि सर्दी में हदयघात ज्यादा बढ़ जाता है।

छात्रा ने सिखाया शोहदे को सबक, बीच सड़क जमकर की पिटाई

कानपुर। गुजैनी में शुक्रवार को एक छात्रा ने छेड़छाड़ कर रहे युवक को बीच सड़क सबक सिखाया। दौड़ाकर पकड़ने के बाद पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। गोविंदनगर निवासी युवती का आरोप है कि उसके पड़ोस में रहने वाला युवक काफी दिनों से परेशान कर रहा था। युवती ने बताया कि वह पार्लर का कोर्स सीखने जाती है।आए दिन युवक उसे रास्ते में परेशान करता है। शुक्रवार को जब वह साइकिल से जा रही थी तभी युवक ने उसे रोक लिया। इस बीच पीछे से आ रही युवती की मां ने भीड़ बुला ली और शोहदे की सड़क पर ही जमकर धुनाई कर दी।

केडीए द्वारा कानपुर इन्वेस्टर्स मीट-2023 का सफल एवं भव्य आयोजन

कानपुर। श्री अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में आज कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा कानपुर इन्वेस्टर्स मीट-2023 का किया गया सफल एवं भव्य आयोजन।उपाध्यक्ष महोदय के निर्देशन में कानपुर विकास प्राधिकरण के साथ लगभग रू0 5000 करोड से अधिक मूल्य के एम0ओ0यू0 आवास एवं अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु किये जा चुके हैं।यह प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री अरविन्द सिंह के सक्षम नेतृत्व में कानपुर विकास प्राधिकरण पर निवेशकों के विश्वास का ही परिचायक है कि जहां पर कल दिनांक 19.01.2023 तक लगभग 4000.00 करोड़ रुपये के एम0ओ0यू0 हुये थे, वहीं आज दिनांक 20.01.2023 को 5000.00 करोड़ रुपये से अधिक के एम0ओ0यू0 हो चुके है।कार्यक्रम के दौरान ही प्राधिकरण से लगभग रु0 500.00 से रु0 600.00 करोड़ के एम0ओ0यू0 हेतु सहमति व्यक्त करने वाले निवेशक है-श्री संजय झुनझुनवाला, श्री प्रभकीरत/कुबेर होटल्स कार्यकम के मुख्य अतिथि श्री अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया गया।सचिव, कानपुर विकास प्राधिकरण श्री शत्रोहन वैश्य द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में के0डी0ए0 उपाध्यक्ष महोदय एवं KANPUR INVESTORS MEET-2023 में आये हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। इन्वेस्टर्स मीट में बैंकिंग सेक्टर की ओर से एच0डी0एफ0सी0 बैंक के श्री स्वदेश रंजन एवं उनकी टीम द्वारा पी0पी0टी0 प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विभिन्न पहलुओं पर दिया गया प्रस्तुतीकरण जिसके अन्तर्गत मैनुफेक्चर्स, ट्रेडर्स, एग्री बिजनेस, प्रापर्टीज मैनेजमेण्ट सिस्टम, वेल्थ मैनेजमेण्ट सिस्टम इत्यादि पर की गयी चर्चा।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा यह भी कहा गया कि उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डालर की अर्थ व्यवस्था बनाये जाने के सम्बन्ध में कानपुर विकास प्राधिकरण की अहम भूमिका होगी। प्राधिकरण द्वारा आवासीय परियोजनाओं के साथ-साथ व्यवसायिक, औद्योगिक, पर्यटन, संस्थागत, ट्रांसपोर्ट, यातायात सम्बन्धी क्षेत्र में भी कानपुर की आवश्यकता अनुरूप विकास कार्य किये जाने होगें, जिससे कानपुर को उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में और सशक्त बनाया जा सके।भारत सरकार के तत्वाधान में अर्बन डेवलपमेण्ट कान्क्लेव का आयोजन सितम्बर 2022 में लखनऊ किया गया था, जिसमें प्रदेश के 03 विकास प्राधिकरणों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें से कानपुर विकास प्राधिकरण की ओर से उपाध्यक्ष महोदय को विशेष रूप से नगरीय विकास की परिकल्पना को साकार रूप दिये जाने के सम्बन्ध में विचार प्रस्तुत किये जाने हेतु आमंत्रित किया गया था।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा इन्वेस्टर्स को सम्बोधित करते हुये इन्वेस्टर्स को भी उनकी सहभागिता के लिये प्रेरित करते हुये कहा गया कि चूंकि कानपुर उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में जाना जाता है, अत: क्यों न इसे पूर्वान्चल का आर्थिक सारथी बनाये जाने हेतु प्रयास किया जाये।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा कहा गया कि कानपुर विकास प्राधिकरण अब सिर्फ हाउसिंग प्रोजेक्ट तक ही सीमित नहीं है अपितु उसके कार्य क्षेत्र को भी अपग्रेड किया जा रहा है यथा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क, जापानी गार्डेन इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।कानपुर के प्रस्तावित परियोजना लगभग 100 हे0 क्षेत्र में स्थित न्यू कानपुर सिटी, जिसमें कन्वेंशन सेन्टर, आवासीय प्लाट, ग्रुप हाउसिंग एंव व्यवसायिक प्लाट, मिश्रित भू उपयोग सम्बन्धित प्लाट एंव इन्स्टीट्यूशनल प्लाट उपलब्ध है।उल्लेखनीय है कि न्यू कानपुर सिटी योजना मैनावती मार्ग एवं बिठूर रोड को जोड़ती है, जिसके समीप इस्कॉन मन्दिर, ब्लू वर्ड थीम पार्क, बिठूर धाम, कानपुर प्राणि उद्यान, खेल गांव आदि निकटवर्ती स्थान है। न्यू कानपुर सिटी योजना से संलग्न मार्गों/चैराहों का प्रकाश अलंकरण के माध्यम से सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी और हिंदी सिनेमा के मुगल ए आजम थे पृथ्वीराज कपूर

पृथ्वीराज को देश के सर्वोच्च फ़िल्म सम्मान दादा साहब फाल्के के अलावा पद्म भूषण तथा कई अन्य पुरस्कारों से भी नवाजा गया। उन्हें राज्यसभा के लिए भी नामित किया गया था। पृथ्वीराज कपूर को कला क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

हिंदी सिनेमा जगत एवं भारतीय रंगमंच के प्रमुख स्तंभों में गिने जाने वाले पृथ्वीराज कपूर का जन्म 3 नवम्बर 1906 को पश्चिमोत्तर सीमान्त प्रदेश (अब पाकिस्तान) की राजधानी पेशावर में हुआ था। पृथ्वीराज कपूर के पिता बशेश्वरनाथ कपूर इंडियन इंपीरियल पुलिस में पुलिस अधिकारी थे। पृथ्वीराज कपूर की शुरू की शिक्षा कस्बे में ही हुई थी। 1927 में पृथ्वीराज ने पेशावर के एडवर्ड्स कॉलेज से बीए किया और कानून की पढाई के लिए लाहौर गये। नाटकों में अभिनय करने की रूचि उनमें प्रारम्भ से ही थी, पृथ्वीराज कपूर ने बतौर अभिनेता मूक फ़िल्मो से अपना कॅरियर शुरू किया। कपूर खानदान के पहले सुपरस्टार पृथ्वीराज कपूर थे, जिन्हें फिल्म इंडस्ट्री में %पापा जी% के नाम से जाना जाता था।

पृथ्वीराज कपूर ने सन् 1944 में पृथ्वी थिएटर, भारत का पहला व्यवसायी थिएटर की स्थापना की। थिएटर के हर शो (नाटक) में पृथ्वीराज कपूर ने प्रमुख भूमिका निभाई। पृथ्वी थिएटर ने रामानंद सागर, शंकर-जयकिशन और राम गांगुली जैसी कई महत्वाकांक्षी प्रतिभाएं प्रस्तुत की। पृथ्वीराज कपूर थिएटर और फिल्म दोनों में सफल रहें। उनकी प्रमुख फिल्में वी. शांताराम की 'दहेज', राज कपूर की 'आवारा' (1951), आसमान महल (1965), तीन बहूरानियां (1968), कल आज और कल (1971) और पंजाबी फिल्म 'नानक नाम जहाँ है' (1969) आदि शामिल हैं। कहा जाता है थिएटर में तीन घंटे का शो खत्म होने के बाद पृथ्वीराज कपूर गेट पर झोला लेकर खड़े हो जाते थे, ताकि शो देखकर आ रहे लोग उसमें कुछ पैसे डाल दे। इस पैसे से वह पृथ्वीराज थिएटर में काम करने वाले कर्मचारियों की मदद करते थे। इसके लिए उन्होंने वर्कर फंड बनाया था।

पुरस्कार और सम्मान

पृथ्वीराज कपूर को देश के सर्वोच्च फ़िल्म सम्मान दादा साहब फाल्के के अलावा पद्म भूषण तथा कई अन्य पुरस्कारों से भी नवाजा गया। उन्हें राज्यसभा के लिए भी नामित किया गया था। पृथ्वीराज कपूर को कला क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

पृथ्वीराज कपूर अंतिम फ़िल्मों में राज कपूर की आवारा (1951), कल आज और कल, जिसमें कपूर परिवार की तीन पीढ़ियों ने अभिनय किया था और ख़्वाजा अहमद अब्बास की %आसमान महल% भी थी। फ़िल्मों में अपने अभिनय से सम्मोहित करने वाले और रंगमंच को नई दिशा देने वाले पृथ्वीराज कपूर का 29 मई, 1972 को निधन हो गया। उन्हें मरणोपरांत दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

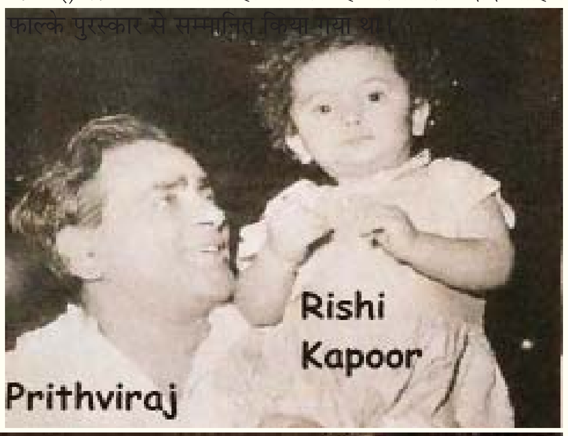

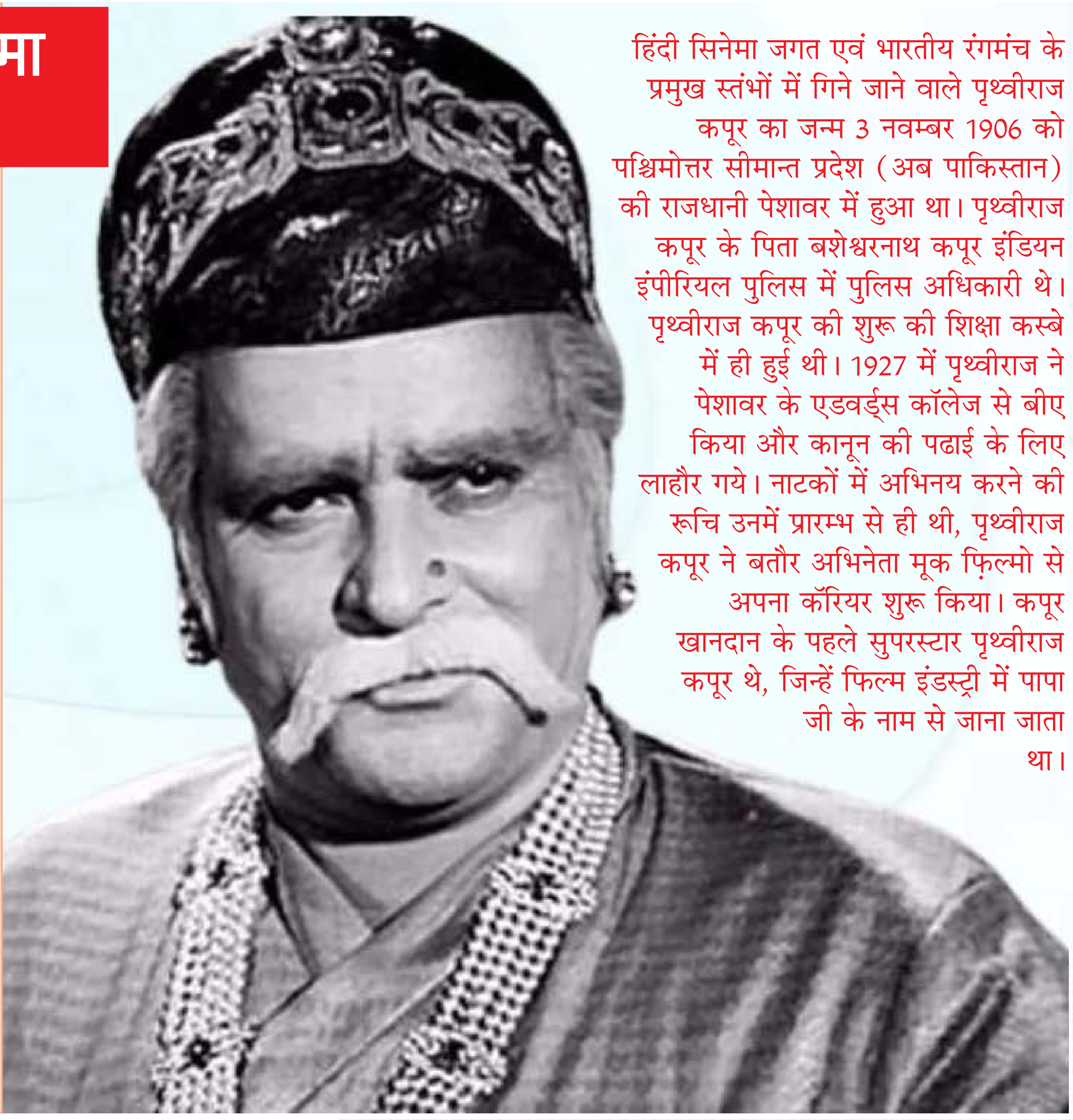

हिंदी सिनेमा जगत एवं भारतीय रंगमंच के प्रमुख स्तंभों में गिने जाने वाले पृथ्वीराज कपूर का जन्म 3 नवम्बर 1906 को पश्चिमोत्तर सीमान्त प्रदेश (अब पाकिस्तान) की राजधानी पेशावर में हुआ था। पृथ्वीराज कपूर के पिता बशेश्वरनाथ कपूर इंडियन इंपीरियल पुलिस में पुलिस अधिकारी थे। पृथ्वीराज कपूर की शुरू की शिक्षा कस्बे में ही हुई थी। 1927 में पृथ्वीराज ने पेशावर के एडवर्ड्स कॉलेज से बीए किया और कानून की पढाई के लिए लाहौर गये। नाटकों में अभिनय करने की रूचि उनमें प्रारम्भ से ही थी, पृथ्वीराज कपूर ने बतौर अभिनेता मूक फ़िल्मो से अपना कॅरियर शुरू किया। कपूर खानदान के पहले सुपरस्टार पृथ्वीराज कपूर थे, जिन्हें फ़िल्म इंडस्ट्री में पापा जी के नाम से जाना जाता था।

हिन्दी फ़िल्म संगीत में बेमिसाल रहा है आरडी बर्मन का योगदान

राहुल देव बर्मन उर्फ आरडी बर्मन संगीत की दुनिया के एक गेम-चेंजर थे, जिन्होंने हिंदी संगीत को एक वैश्विक प्रतिध्वनि के साथ जोड़ा। उस्ताद एस डी बर्मन के पुत्र, राहुल देव बर्मन ने अपनी शास्त्रीय विरासत के साथ, जैज़, रॉक और पॉप के डैश के साथ हिंदी प्लेबैक को एक बड़ा तोहफा दिया। बास गिटार, ध्वनिक गिटार, बोंगो, अफ्रीकी ड्रम का प्रयोग करके बर्मन जी ने अद्भुत संगीत दिया। आजा आजा (तीसरी मंजिल), पिया तू अब तो आजा (कारवां), दम मारो दम (हरे रामा हरे कृष्णा), लेकर हम दीवाना दिल (यादों की बार्ता), बचना ऐ हसीनों (हम किसी से कम नहीं)...राहुल देव बर्मन की रसिक ट्रैक सबसे कम बोलने वालों को भी डांस फ्लोर पर खींच सकते हैं...संगीत वैज्ञानिक और बॉलीवुड संगीत के बादशाह कहे जाने वाले राहुल देव बर्मन उर्फ आरडी बर्मन का जन्म 27 जून 1939 को हुआ था और उनका निधन 4 जनवरी 1994 में हुआ था। महान संगीत निर्देशक सचिन देव बर्मन के बेटे आरडी बर्मन को प्यार से पंचम दा कहा जाता था। दम मारो दम से लेकर चुरा लिया है तुमने जो दिल को तक, जैसे संगीत से लोगों को झूमने पर मजबूर करने वाले संगीतकार ने हिंदी फिल्म उद्योग को कई अविस्मरणीय यादें दीं। हालांकि सिनेमा में सबसे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों में से एक होने के बावजूद, आरडी अपने अंतिम वर्षों में लगभग बेरोजगार हो गये थे। बॉलीवुड संगीत में क्रांति लाने वाले पंचम दा को उन्हीं के उद्योग ने आखिरी वक्त में त्याग दिया था।

रिपोर्ट्स यह भी कहती हैं कि कई निर्माताओं ने उनसे नाता तोड़ लिया था। इन सबके बीच संगीतकार ने सुपरस्टार देव आनंद से मदद मांगी थी। आरडी बर्मन ने देव आनंद को प्यार से देव साहब बुलाते थे। आरडी बर्मन के पिता ने जब देव आनंद बॉलीवुड में नये आये थे तब उनकी मदद की थी। उसके बाद देव साहब ने मेरे पिता का साथ नहीं छोड़ा।लेखक खगेश देव बर्मन से उन्होंने एक बातचीत में कहा था कि जब मेरे पिता सचिन देव बर्मन बीमार थे तब उनके साथ रहने वाले एकमात्र देव आनंद थे- उन्होंने मेरे पिता से चिंता न करने के लिए कहा, कि वह फिल्म में देरी करेंगे। आज एक संगीत निर्देशक के लिए ऐसा कोई भी कभी नहीं करेगा। पाँच महीने बाद, जब मेरे पिता ठीक हो गए, तो हमने फिल्म गाइड के लिए पांच धुनें दी थी जिसमें से चार देव साहब को पंसद आई थी।

आरडी बर्मन को बचपन से ही संगीत का बहुत बड़ा शौक था और उन्होंने अपने पिता से प्रशिक्षण लिया, जो एक संगीतकार भी थे। उन्होंने अपना करियर नौ साल की उम्र में फिल्म फंटूश (1956) से शुरू किया था उन्होंने इस फिल्म में पहला गाना तैयार किया था। बाद में उनके कई गाने मशहूर हुए जैसे कि सर जो तेरा चक्रे (प्यासा), मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू (आराधना), और कोरा कागज था ये मन मेरा (आराधना) सहित कई सुपरहिट गीतों से वह सिनेमा में मशहूर हो गये। वह हारमोनिका और कई अन्य वाद्ययंत्र बजाना भी जानते थे। उन्होंने फिल्म सोलवा साल के गाने है अपना दिल तो आवारा के लिए माउथ ऑर्गन बजाया था।

अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में, उन्होंने भूत बंगला (1965) और प्यार का मौसम (1969) जैसी फिल्मों में भी अभिनय में अपनी किस्मत आजमाई। आरडी बर्मन को उनके उपनाम, पंचम से भी जाना जाता था, और उनके अधिकांश उद्योग मित्रों द्वारा इसी नाम से लोकप्रिय रूप से संबोधित किया जाता था।

हर किरदार में फिट हो जाने वाले अभिनेता थे इरफ़ान खान

इरफ़ान खान जुबान के साथ ही आंखो से भी संवाद अदायगी करते थे। इरफ़ान ने फिल्म इंडस्ट्री में जो स्थान हासिल किया वह उनके कड़े परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपने अभिनय का सिक्का जमाया था, हॉलीवुड में उन्होंने जुरासिक पार्क और माइटी हर्ट जैसी फिल्मों में काम किया।अपनी अदाकारी से अपने फैंस के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता इरफ़ान खान ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी जिनमें चाणक्य, भारत एक खोज, चंद्रकांता जैसे धारावाहिक शामिल है, फ़िल्मी करियर की शुरुआत उन्होंने %सलाम बॉम्बे% फिल्म में एक छोटे से रोल से की, बहुत सी फिल्मों में छोटे-छोटे रोल करने के बाद मकबूल, रोग, लाइफ इन मेट्रो जैसी फिल्मों से उनको बॉलीवुड में पहचान मिली। पदम श्री से सम्मानित अभिनेता इरफ़ान खान का जन्म 7 जनवरी 1967 को राजस्थान के टोंक में हुआ था। इरफ़ान खान का पूरा नाम साहबजादे इरफ़ान अली खान था। इनके पिता का नाम जागीरदार खान था जो टायरों का व्यापार करते थे। अपने 32 सालों के करियर में इरफ़ान ने पचास से अधिक फिल्मों में काम किया था। 2018 में इरफ़ान ने फैंस को अपने कैंसर से बीमार होने की जानकारी दी थी। दो साल बाद इरफ़ान जिंदगी की जंग हार गए। इरफ़ान को लीक से हटकर रोल करने का शौक था और इस शौक में उनकी बोलती हुई आंखें उनका पूरा साथ देती थी।

अभिनेता जो हर रोल में था फिट

इरफ़ान अपनी शानदार अदाकारी के बलबूते सभी के दिलो पर राज करते थे, इरफ़ान ऐसे अभिनेता थे जो किसी भी रोल में आसानी से फिट हो जाते थे, चाहे वो कोई रोमांटिक किरदार हो या करीब-करीब सिंगल का मस्तमौला युवा या फिर हिंदी मीडियम और अंग्रेजी मीडियम का जिम्मेदार पिता हो या लंचबॉक्स का कोई गैर रोमांटिक किरदार, सभी में इरफ़ान अपने शानदार अभिनय से जान डाल देते थे। इरफ़ान खान जुबान के साथ ही आंखो से भी संवाद अदायगी करते थे। इरफ़ान ने फिल्म इंडस्ट्री में जो स्थान हासिल किया वह उनके कड़े परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपने अभिनय का सिक्का जमाया था, हॉलीवुड में उन्होंने जुरासिक पार्क और माइटी हर्ट जैसी फिल्मों में काम किया। इरफ़ान ने 1988 में आई मीरा नायर की फिल्म सलाम बॉम्बे से शुरुआत की थी, इसके बाद उन्होंने एक डॉक्टर की मौत, कसूर, पान सिंह तोमर, लंचबॉक्स, लाइफ ऑफ़ पाई, पीकू, हिंदी मीडियम, तलवार जैसी फिल्मों में अभिनय किया

बीमारी में भी करते रहे अभिनय

2018 में इरफ़ान न्यूरो इंड्रोकाईन ट्यूमर नाम की बीमारी से ग्रसित हो गए थे, विदेश से बीमारी का इलाज कराकर लौटने के बाद इरफ़ान फिर से फिल्मों में सक्रिय हो गए थे, उन्होंने अंग्रेजी मीडियम फिल्म की शूटिंग पूरी की। लेकिन इस फिल्म के बाद उनकी सेहत ख़राब हो गयी और वह फिल्म के प्रमोशन में भाग नहीं पाए।

पिता कहते थे इरफ़ान को ब्राह्मण

पठान परिवार में जन्म लेने के बाद भी इरफ़ान खान शाकाहारी थे उन्हें मांसाहार पसंद

हीराबेन मोदी के सादगीमय जीवन व आदर्शों से समूचा राष्ट्र प्रेरित होता रहेगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे विश्वनायक गढ़ने वाली मां हीराबेन मोदी का निधन न केवल पुत्र के लिये बल्कि समूचे राष्ट्र के लिये एक अपूरणीय क्षति है, एक आघात है।। भारतीय मूल्यों एवं आदर्शों की शताब्दी यात्रा का विराम होना निश्चित ही देश के हर व्यक्ति के लिये शोक का विषय है, लेकिन यह वक्त शोक का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों एवं जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने का है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। हीराबेन ऐसी ही विलक्षण मां थी, एक देवदूत थी। कहने को वह इंसान थी, लेकिन भगवान से कम नहीं थी। वह एक मन्दिर थी, पूजा थी और वह ही तीर्थ थी। वह न केवल नरेन्द्र मोदी की जीवनदात्री बल्कि संस्कार निर्मात्री थी, बल्कि इस राष्ट्र आदर्श मां थी।

'मां हीराबेन'-इस लघु शब्द में प्रेम की विराटता/समग्रता निहित है। उसके अंदर प्रेम की पराकाष्ठा है या यूं कहें कि वो ही संपूर्ण प्रेम की पराकाष्ठा है। मोदी परिवार के लिए मां हीराबेन प्राण थी, शक्ति थी, ऊर्जा थी, प्रेम थी, करुणा थी, और ममता का पर्याय थी। वे केवल जन्मदात्री ही नहीं जीवन निर्मात्री भी थी। वे नरेन्द्र मोदी ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण परिवार के विकास का आधार थी। उन्होंने अपने हाथों से इस परिवार का ताना-बाना बुना है। इस परिवार के आकार-प्रकार में, रहन-सहन में, सोच-विचार में, मस्तिष्क में लगातार उन्नतिशील एवं संस्कारी बदलाव किये थे। वे मां, मां ही थी, जिसने इस परिवार की तकदीर और तस्वीर दोनों ही बदली है।मां हीराबेन का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक है। श्री मोदी ने 'मातृदेवोभव' की भावना और हीराबेन के मूल्यों को अपने जीवन में ढाला है। तभी मोदी के लिये मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं रहा। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त थी, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान थी। उनका आशीर्वाद वरदान बना। यही कारण है कि तमाम व्यस्तताओं एवं जिम्मेदारियों के बीच मोदी अपनी मां के पास जाते, उसके

पास बैठते, उसकी सुनते, उसको देखते, उसकी बातों को मानते थे। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके एवं एक नई ऊर्जा लेकर निकलते थे।साल 1923 में हीराबेन मोदी का जन्म हुआ था। उनकी उम्र 100 साल थी। हीराबेन मोदी का विवाह दामोदर दास मूलचंद मोदी के साथ हुआ था। हीराबेन मोदी के पांच बेटे और एक बेटी है। हीराबेन मोदी के बेटों के नाम सोमा मोदी, अमृत मोदी, नरेंद्र मोदी, प्रह्लाद मोदी व पंकज मोदी हैं। वहीं उनकी बेटी का नाम वासंती बेन हसमुखलाल मोदी है। दामोदर दास मूलचंद मोदी अब इस दुनिया में नहीं हैं।, दामोदर दास मोदी पहले वड़नगर में सड़क पर स्टॉल लगाया करते थे। वहीं इसके बाद कुछ समय तक उन्होंने रेलवे स्टेशन पर चाय भी बेचने का काम किया। मोदी ने अपने एक ब्लॉग में बताया था कि कि वडनगर के जिस घर में हम लोग रहा करते थे वो बहुत ही छोटा था। उस घर में कोई खिड़की नहीं थी, कोई बाथरूम नहीं था, कोई शौचालय नहीं था। कुल मिलाकर मिट्टी की दीवारों और खपरैल की छत से बना वो एक-डेढ़ कमरे का ढांचा ही हमारा घर था, उसी में मां-पिताजी, हम सब भाई-बहन रहा करते थे। यह स्वाभाविक है कि जहां अभाव होता है, वहां तनाव भी होता है। लेकिन मां हीराबेन की विशेषता रही कि अभाव के बीच भी उन्होंने घर में कभी तनाव को हावी नहीं होने दिया।हीराबेन का सम्पूर्ण जीवन प्रेरणाओं का समवाय रहा है। वे समय की पाबंद थीं, उन्हें सुबह 4 बजे उठने की आदत थी, सुबह-सुबह ही वो बहुत सारे काम निपटा लिया करती थीं। गेहूं पीसना हो, बाजरा पीसना हो, चावल या दाल बीनना हो, सारे काम वो खुद करती थीं। वे काम करते हुए अपने कुछ पसंदीदा भजन या प्रभातियां गुनगुनाती रहती थीं। नरसी मेहता जी का एक प्रसिद्ध भजन है जलकमल छांडी जाने बाला, स्वामी अमारो जागशे वो उन्हें बहुत पसंद था। एक लोरी भी है, शिवाजी नु हालरडु, हीराबेन ये भी बहुत गुनगुनाती थीं। घर को नियोजित चलाने के लिए दो चार पैसे ज्यादा मिल जाएं, इसके लिए हीराबेन दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं। समय निकालकर चरखा भी चलाया करती थीं क्योंकि उससे भी कुछ पैसे जुट जाते थे। कपास के छिलके से रुई निकालने का काम, रुई से धागे बनाने का काम, ये सब कुछ हीराबेन खुद ही करती थीं। उनको घर सजाने का, घर को सुंदर बनाने का भी बहुत शौक था। घर सुंदर दिखे, साफ दिखे, इसके लिए वो दिन भर लगी रहती थीं। वो घर के भीतर की जमीन को गोबर से लीपती थीं। उनका जीवन स्वावलम्बी था। सादगीमय था। संयमित था।मां!'हीराबेन यह वो अलौकिक शब्द है, जिसके स्मरण मात्र से ही नरेन्द्र मोदी का रोम-रोम पुलकित हो उठता, हृदय में भावनाओं का अनहद ज्वार स्वतः उमड़ पड़ता और मनो:मस्तिष्क स्मृतियों के अथाह समुद्र में डूब जाता। उनके लिये 'मां' वो अमोघ मंत्र है, जिसके उच्चारण मात्र से ही हर पीडा का नाश हो जाता है। मोदी के

धीरूभाई अंबानी ने महज 50 हजार की पूंजी और दो हेल्परों के साथ शुरू किया था कारोबार

साल 1996 में रिलायंस एक ऐसी निजी कंपनी बन गई जिसको इंटरनेशनल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रेटिंग करना शुरू कर दिया। रिलांयस का कारोबार इस समय काफी ज्यादा फैला हुआ है। पेट्रोकेमिकल, टेलीकॉम, एनर्जी, पावर जैसे कई सेक्टर में आज रिलायंस सबसे आगे है।गुजरात के एक छोटे से कस्बे से निकले धीरूभाई अंबानी के कारण ही आज रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया की प्रमुख कंपनियों में भी शुमार हो चुका है। आज यानि 6 जुलाई को धीरूभाई अंबानी की डेथ एनिवर्सरी पर आइये हम आपको बताते हैं उनके जीवन के बारे में। जानकारी के लिए बता दें की धीरूभाई का पूरा नाम धीरजलाल हीराचंद अंबानी था। उनका जन्म 28 दिसंबर 1932 को गुजरात जूनागढ़ शहर के पास के एक छोटे से कस्बे चोरवाड़ में हुआ था। वैश्य परिवार में जन्में धीरूभाई के पिता स्कूल टीचर थे। धीरूभाई ने सबसे पहले अपने कारोबारी जीवन की शुरूआत गिरनार पहाड़ी पर आने वाले तीर्थयात्रियों को भजिया बेचकर की थी। महज 10वीं कक्षा तक पढ़ाई करन वाले धीरूभाई ने यह तो साबित किया कि टॉप बिजनेस टायकून बनने के लिए बड़ी डिग्रियां हासिल करना आवश्यक नहीं है।बता दें कि उन्होंने केवल 16 साल की उम्र में ही विदेश यात्रा कर ली थी। साल 1955 में वह अपने भाई रमणिकलाल के साथ काम करने यमन के शहर अदन चले गए थे और वहां उन्होंने पहली नौकरी एक पेट्रोल पंप पर सहायक के रूप में की थी। उस दौरान उनकी सैलरी केवल 300 रुपए प्रतिमाह थी। कुछ सालों के बाद वह वापस भारत लौट आए और तीर्थयात्रियों को भजिया बेचना शुरू कर दिया। 5 साल के भीतर ही उन्होंने अपने चचेरे भाई चंपकलाल दमानी के साथ 1960 में रिलायंस कॉमर्शियल कॉरपोरेशन की स्थापना की। धीरूभाई का पहला ऑफिस मुंबई के मस्जिद बंदर क्षेत्र में नरसीनाथन स्ट्रीट में 350 वर्गफुट के एक कमरे में हुआ। उस कमरे में दो मेज, 3 कुर्सी और एक फोन के अलावा कुछ भी नहीं था। महज 50 हजार की पूंजी और दो हेल्परों के साथ धीरूभाई ने अपना कारोबार शुरू किया था। आज केवल के नेतृत्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजी 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। बता दें कि पहले रिलायंस का नाम रिलायंस कॉमर्शियल कॉरपोरेशन था जिसे बदलकर रिलायंस टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड किया गया लेकिन अंतिम में इसका नाम रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड किया गया। धीरूभाई ने नायलॉन का काम शुरू किया जिससे उन्हें 300 प्रतिशत का मुनापा होता था। साल 1996 में रिलायंस एक ऐसी निजी कंपनी बन

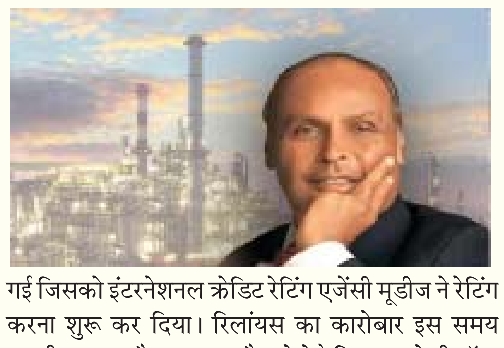

गई जिसको इंटरनेशनल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रेटिंग करना शुरू कर दिया। रिलांयस का कारोबार इस समय काफी ज्यादा फैला हुआ है। पेट्रोकेमिकल, टेलीकॉम, एनर्जी, पावर जैसे कई सेक्टर में आज रिलायंस सबसे आगे है। धीरूभाई अंबानी पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल डीन मेडल प्राप्त करने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें एशिया वीक पत्रिका द्वारा %पावर 50 - एशिया के सबसे शक्तिशाली लोगों% की सूची में भी शामिल किया गया था। धीरूभाई को दो बार ब्रेनस्ट्रोक आया था जिसमें पहली बार 1986 में और दूसरी बार 24 जून 2002 को आया। अंत में 6 जुलाई 2002 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

एंकर बहू मयंती लैंगर कारण मुश्किल में फंसे बीसीसीआई चीफ रोजर बिन्नी

नई दिल्ली। बीसीसीआई के एथिक्स अधिकारी विनीत सरन ने अध्यक्ष रोजर बिन्नी को हितों के टकराव मामले में नोटिस भेजा है। शिकायत करने वाले संजीव गुप्ता का आरोप है कि रोजर बिन्नी से हितों का टकराव है, क्योंकि उनकी बहू मयंती लैंगर स्टार स्पोर्ट्स के लिए कार्य करती हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट के घरेलू सीजन के मीडिया अधिकार प्राप्त हैं। एंकर बहू मयंती लैंगर कारण मुश्किल में फंसे बीसीसीआई चीफ रोजर बिन्नी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एथिक्स ऑफिसर विनीत सरन ने बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी को हितों के टकराव मामले में नोटिस भेजा है। इसके साथ ही विनीत सरन ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के चीफ रोजर बिन्नी से आरोपों के मामले में 20 दिसंबर 2022 तक लिखित में जवाब भी मांगा है। शिकायत करने वाले संजीव गुप्ता का आरोप है कि रोजर बिन्नी से हितों का टकराव है, क्योंकि उनकी बहू मयंती लैंगर स्टार स्पोर्ट्स के लिए कार्य करती हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट के घरेलू सीजन के मीडिया अधिकार प्राप्त हैं।यहां बता दें कि रोजर बिन्नी की बहू और स्टुअर्ट बिन्नी की पत्नी मयंती लैंगर स्टार स्पोर्ट्स के लिए एंकरिंग करती हैं। मयंती अक्सर अपनी खूबसूरती को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इसलिए उन्हें स्टार स्पोर्ट्स की मशहूर एंकर के रूप में जाना जाता है।विनीत सरन की ओर से 21 नवंबर को जारी किए गए नोटिस में लिखा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि बीसीसीआई के एथिक्स अधिकारी को बीसीसीआई के नियम 38(1) (एक) और नियम 38(2) के उल्लंघन को लेकर शिकायत मिली है जो आपके हितों के टकराव से जुड़ी है। आपको निर्देश दिया जाता है कि शिकायत पर लिखित प्रतिक्रिया 20 दिसंबर 2022 को या पूर्व दें। इसके साथ ही प्रतिक्रिया के समर्थन में हलफनामा भी दायर किया जाए।

संक्षिप्त समाचार ....

गोल्फ: भारतीयों में सबसे आगे भुल्लर, सात भारतीयों ने कट में बनाई जगह

गगनजीत भुल्लर ने अंतरराष्ट्रीय सीरीज मोरक्को गोल्फ प्रतियोगिता के दूसरे दौर में एक अंडर 72 का कार्ड खेला और वह भारतीय खिलाड़ियों में सबसे आगे हैं। एशियाई टूर में नौ बार के विजेता भुल्लर 36 होल के बाद इवन पार के स्कोर पर हैं और वह सप्ताहांत में सात भारतीयों की अगुवाई करेंगे। भुल्लर अभी संयुक्त 27वें स्थान पर हैं। कट में जगह बनाने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में एसएसपी चौरसिया (73-74) और अमन राज (74-73) संयुक्त 32वें, ज्योति रंधावा (73-75) संयुक्त 39वें, विराज मडप्पा (75-74) और करणदीप कोचर (75-74) संयुक्त 50वें तथा अजितेश संधू (74-76) संयुक्त 62वें स्थान पर हैं। भारतीय खिलाड़ियों में वीर अहलावत (76-79), एस चिक्कारंगप्पा (79-77) और हनी बैसोया (76-81) कट से चूक गए।

अरब देशों का समर्थन हासिल करना चाहेगी ट्यूनीशिया, आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में होगी मदद

दोहा। डेनमार्क को गोलरहित ड्रा पर रोकने के बाद आत्मविश्वास से भरी ट्यूनीशियाई टीम शनिवार को यहां फीफा विश्व कप ग्रुप डी के दूसरे मैच में आस्ट्रेलिया के सामने होगी जिसमें उसे दर्शकों से घर जैसा समर्थन मिलेगा। विश्व कप में जगह बनाने वाली अरब देशों की चार टीमों में से एक ट्यूनीशिया ने यूरोपीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली डेनमार्क को ड्रा पर रोकने के बाद प्रशंसकों को अपना मुरीद बना लिया। उसके समर्थक सिर्फ ट्यूनीशिया के ही नहीं हैं बल्कि फलस्तीन का झंडा लेने वाले प्रशंसक भी उसकी जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मिस्त्र और अल्जीरिया टीम के समर्थक भी उसकी जीत की दुआ कर रहे हैं। कोच जलेल कादरी ने कहा कि दोहा में ट्यूनीशिया के और अन्य प्रशंसकों के समर्थन से हमारा मनोबल बढ़ेगा। आस्ट्रेलिया को ग्रुप डी में अपने शुरूआती मैच में गत चैम्पियन फ्रांस से 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर जैक्सन इर्विन ने कहा कि हमने फ्रांस के खिलाफ मैच से सबक सीखा, जिसमें हमने दूर से तीन गोल गंवाये। फ्रांस तीन अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर है जबकि ट्यूनीशिया और डेनमार्क के एक एक अंक हैं। आस्ट्रेलिया का खाता नहीं खुला है। ट्यूनीशिया की निगाहें अपने छठे विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने पर लगी हैं। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम पांच बार विश्व कप में खेली है और एक बार 2006 में ही अंतिम 16 में पहुंची थी।

फ्रांस के ओलिवियर गिरौड और एमबापे डेनमार्क के खिलाफ लगाएंगे गोल की लाइन

दोहा। ओलिवियर गिरौड अगर शनिवार को विश्व कप फुटबॉल में डेनमार्क के खिलाफ गोल दागने में सफल रहे तो वह थियरी हेनरी को पछाड़कर 52 गोल के साथ फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन जायेंगे। टीम यहां के स्टेडियम 974 में डेनमार्क के खिलाफ जीत दर्ज कर के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। शनिवार को इस ग्रुप में अगर ट्यूनीशिया और ऑस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहा तो मौजूदा चैम्पियन फ्रांस ग्रुप विजेता के तौर पर अगले चरण में क्वालीफाई कर जायेगा। इस मैच में काफी कुछ दांव पर लगा है लेकिन फ्रांस के कप्तान ह्यूगो लोरिस कोई कोताही नहीं बरतना चाहते है। उन्होंने कहा कि अगर आप किसी प्रतियोगिता में ज्यादा दूर की सोचेंगे तो फिसल सकते है। हमारे सामने कल बड़ा लक्ष्य है। ट्यूनीशिया के ड्रॉ खेलने के बाद डेनमार्क की टीम हर हाल में यह मुकाबला जीतना चाहेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के पिछले मुकाबले में गिरौद और एमबापे ने शानदार खेल दिखा कर 4-1 से जीत दर्ज की थी।

फ्रांस की अग्रिम पंक्ति मजबूत दिख रही है लेकिन लुकास हर्नांडेज के साथ कुछ और खिलाड़ियों के चोटिल होने से टीम की रक्षा पंक्ति कमजोर हुई है। सेंट्रल डिफेंडर राफेल वर्ने 11 अक्टूबर को मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद से नहीं खेले हैं। फ्रांस के कोच डेसचैम्प्स ने संकेत दिया कि वर्ने शनिवार को मैदान पर दिखेंगे। उन्होंने कहा कि वह पहला मैच (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) खेल सकता था क्योंकि वह फिट था। महत्वपूर्ण बात यह है कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार महसूस करें। वह पूरी तरह से तैयार है। फ्रांस की टीम डेनमार्क को इसलिए भी हलके में नहीं ले रही है क्योंकि नेशन्स लीग में उसे इस टीम के खिलाफ दो बार शिकस्त का सामना करना पड़ा है। डेनमार्क जहां फ्रांस की कमजोर रक्षा पंक्ति का फायदा उठाना चाहेगे वहीं यह देखना भी दिलचस्प होगा की टीम गिरौड और एमबापे की अगुवाई वाली नयी अग्रिम पंक्ति से कैसे निपटेगी।

टी 20 वर्ल्ड कप 2024- ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड नहीं बल्कि इस देश में हो सकता है IND-PAK के बीच मुकाबला

नई दिल्ली, स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिकेट फैंस को बस इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है कि कब भारत-पाक सामने हो और कब एक हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिले। सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है, बाजार बंद हो जाते है, भला हो भी क्यों न भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मुकाबले का क्रेज ही कुछ ऐसा रहता है। बता दें कि दोनों देशो के बीच सीमा के तनाव के चलते लंबे समय से कोई भी क्रिकेट सीरीज नहीं हुई है। दोनों ही टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट्स और एशिया कप के दौरान एक दूसरे का आमना-सामना करती हैं। ऐसे में इन दोनों टीमों के बीच साल 2024 टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार बताया जा रहा ह कि अगले साल टी-20 विश्व कप में भारत-पाक का मैच अमेरिका में खेला जाएगा। दरअसल, साल 2024 टी-20 वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान टीमों के बीच हाई वोल्टेज मैच देखने को मिलेंगे। हाल ही में अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अतुल राय ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, भारत के वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में मुकाबले को मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे अमेरिका में कराया जाएगा। भारत के इस मैच के सारे टिकट बिक गए थे।

बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच हमेशा से हाई वोल्टेज अमेरिका में 2024 वैश्विक टूर्नामेंट इस तरह का पहला टूर्नामेंट होगा, जबकि कैरेबियाई देशों में पहले भी 50 ओवर (2007) और एक टी20 वर्ल्ड कप आयोजित किया जा चुका है। अतुल राय ने साथ ही कहा, क्रिस टेटले की अध्यक्षता वाली आईसीसी टूर्नामेंट की टीम ने मई में दौरा किया, जिसमें उन्होंने विभिन्न शहरों में काफी मैदानों का मुआयना किया. कुछ हफ्ते पहले (दिसंबर) में वे फिर आए और उन्होंने स्थलों का दौरा किया बता दें कि एशिया कप 2023 में भारत और पाकिस्तान टीमें एक दूसरे का आमना-सामना करती हुई नजर आएगी। ये टूर्नामेंट सितंबर साल 2023 में खेला जाएगा, जिसमें 6 टीमें हिस्सा लेगी। इन टीमों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और एक क्वॉलीफायर टीम को मौका मिलेगा। टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीम एक ही ग्रुप में होगी।

अब पेनल्टी कॉर्नर से गोल करना हुआ काफी मुश्किल, ड्रैग-फ्लिकर हो रहे परेशान- रूपिंदर पाल सिंह

भुवनेश्वर। भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पेनल्टी कॉर्नर से गोल करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि खेल में वीडियो विश्लेषण जैसी तकनीक के इस्तेमाल से विरोधी टीमों की रक्षापंक्ति को मजबूत बना दिया है। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे रुपिंदर ने कहा कि हाल के वर्षों में पेनल्टी-कॉर्नर के बचाव में काफी सुधार हुआ है और यही कारण है कि दुनिया भर में ड्रैग-फ्लिकर को गोल करने में परेशानी हो रही है।

रुपिंदर ने ओलंपिक के बाद खेल को अलविदा कह दिया था। उन्होंने ने पंजाब से 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर दिये साक्षात्कार में कहा, '' हाल के वर्षों में पेनल्टी कॉर्नर का बचाव करना एक कला बन गया है। हर टीम के पास अब यह अध्ययन करने के लिए वीडियो विश्लेषण है कि विरोधी अपने पेनल्टी कॉर्नर को कैसे लेते है। टीमें यह विश्लेषण करती है कि विपक्षी टीम के ड्रैग फ्लिकर कैसे फ्लिक करती है। उनके तरीके और तकनीक को देखकर वे इसके बचाव के लिए खुद को तैयार करती हैं।'' तोक्यो ओलंपिक के दौरान ड्रैग फ्लिक में टीम के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ जोड़ी बनाने वाले रुपिंदर ने कहा, '' भारत के मामले में भी ऐसा ही है। हम पेनल्टी कॉर्नर का बचाव करने में भी बहुत अच्छे हैं जैसा कि हमने इंग्लैंड के खिलाफ (इस विश्व कप में) देखा। हमारे खिलाड़ी अमित रोहिदास और मनप्रीत सिंह, बाहर निकलने और कोण को बंद करने के मामले में बहुत तेज हैं।'' भारत ने मौजूदा विश्व कप में 16 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और इसमें से सिर्फ तीन को गोल में बदलने में सफल रहा। पूल चरणों के अंत में 24 मैचों में टीमों ने कुल 130 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और इसमें से 43 को गोल में बदलने में सफल रहे। इस 32 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' यह विश्व कप है, कोई अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंट या द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला नहीं है। हर टीम पेनल्टी कॉर्नर पर अधिक गोल करने की कोशिश करेगी जबकि विरोधी टीम उसके बचाव की कोशिश करेगी।'' रूपिंदर ने कहा कि विपक्षी टीमों के वीडियो विश्लेषण के अलावा, अब बेहतर गुणवत्ता वाले उपकरण, जैसे कि घुटने और मुंह का गार्ड, दस्ताने और हेड गार्ड ने ड्रैग फ्लिक को अतीत की तुलना में कम खतरनाक बना दिया है। इसलिए वे अब बेहतर बचाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा, '' हम यह नहीं कह सकते कि ड्रैग फ्लिकर का प्रभाव हॉकी में कम हुआ है। हां गोल के आंकड़े कम हुए है क्योंकि रक्षापंक्ति के पास चोटिल होने से बचाव के बेहतर उपकरण है।

इंडिया ओरेन 2023 का ताज सजा कुनलावुत वितिदसर्ण और अन सियंग के सिर

नयी दिल्ली। थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्ण और कोरिया की अन सियंग रविवार को यहां इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने वर्ग में दो बार के विश्व चैम्पियन को हराकर क्रमश-पुरूष और महिला एकल चैम्पियन बने। कुनलावुत ने पुरूष एकल फाइनल में दो बार के विश्व चैम्पियन और ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन को जबकि युवा खिलाड़ी अन सियंग ने महिला एकल फाइनल में दो बार की विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मात दी।

कुनलावुत ने डेनमार्क के ओलंपिक चैम्पियन को 64 मिनट में 22-20, 10-21, 21-12 से शिकस्त देकर अपना पहला सुपर 750 टूर्नामेंट खिताब हासिल किया। वहीं 20 साल की अन सियंग ने यामागुची के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ते हुए दुनिया की नंबर एक जापानी खिलाड़ी को 72 मिनट तक चले महिला एकल फाइनल में 15-21 21-16 21-12 से मात दी। इस तरह वह इंडिया ओपन जीतने वाली पहली कोरियाई खिलाड़ी भी बन गयीं। पिछले हफ्ते भी मलेशिया ओपन में इसी तरह के तीन गेम का फाइनल हुआ था लेकिन वह इस मुकाबले में यामागुची से हार गयी थीं।

वहीं पुरूष युगल का खिताब लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी के नाम रहा। इस जोड़ी का यह दूसरा विश्व टूर खिताब रहा, उन्होंने पिछले साल जापान ओपन में यही ट्राफी हासिल की थी। दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी ने पुरूष युगल एकल फाइनल आरोन चिया और सोह वूई यिक की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 14-21 21-19 21-18 से पराजित किया। वहीं दो युगल मैच नहीं हो सके क्योंकि बीमार होने के कारण चीन के दो खिलाड़ियों को हटना पड़ा। वांग यि लियू (हुआंग डोंग पिंग के साथ मिश्रित युगल खेलने वाली) और चेन किंग चेन (महिला युगल फाइनल में जिया यि फिन के साथ खेलने वाली) को डायरिया के कारण अपने मैचों से हटना पड़ा।

इस तरह जापान की युटा वाटानबे और अरिसा हिगाशिनो की जोड़ी ने मिश्रित युगल खिताब जीत लिया। वहीं महिला युगल का खिताब भी जापान की नामी मातसुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी के नाम रहा। मुकाबले के बाद अन सियंग ने कहा कि मैं जानती थी कि मैच लंबा चलेगा। इसलिये मैंने अपने दिमाग को पहले से ही तैयार कर लिया था। इस जीत से वह जापानी खिलाड़ी के खिलाफ जीत के अंतर को कम करके 6-10 करने में सफल रहीं। अन सियंग को 2017 में राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था, तब वह 15 साल की थीं।

वह विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता मिश्रित टीम का हिस्सा बनीं और 2018 में उबेर कप में कोरिया को कांस्य पदक दिलाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभायी थी। उनके नाम 11 विश्व टूर खिताब हैं और एक विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक है जिससे वह कोरिया की ओलंपिक में बड़ी उम्मीद बनती जा रही हैं।

हार का बहाना नहीं बना सकते, फेक फील्डिंग पर बांग्लादेश के सलाहकार ने अपनी ही टीम को सुनाया

नई दिल्ली। विराट कोहली पर 'फर्जी फील्डिंग' का आरोप लगाने वाली बांग्लादेश टीम को उसी के सलाहकार ने तलाड़ लगाई है। बांग्लादेश के तकनीकी सलाहकार श्रीधरन श्रीराम ने कहा कि हार के लिए टीम कोई बहाना नहीं बना सकती है। बता दें कि बांग्लादेश टीम ने विराट कोहली पर 'फर्जी फील्डिंग' का आरोप लगाया था। कोहली द्वारा इस कथित 'फर्जी फील्डिंग' को मैदानी अंपायरों ने भी नहीं देखा था। अब पूरे मामले पर बांग्लादेश टी 20 के तकनीकी सलाहकार श्रीधरन श्रीराम ने शनिवार को कहा कि वे मौजूदा टी 20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपनी हार के लिए फेक फील्डिंग को बहाना नहीं बना सकते। बांग्लादेश भारत से पांच रन से हार गया था। हार के बाद, उप-कप्तान नूरुल हसन ने आरोप लगाया था कि मैदानी अंपायर विराट कोहली की फेक फील्डिंग को नोटिस करने में फेल रहे, जिससे उन्हें पांच रन मिल सकते थे।बाद में, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आग में घी डालने का काम किया। बोर्ड ने कहा कि वे इस मुद्दे को उचित मंच पर उठाएंगे। लेकिन श्रीराम ने जोर देकर कहा कि वे इस मुद्दे को हार का बहाना नहीं बनाना चाहते हैं। इसके बजाय उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ एक करीबी हार बांग्लादेश टीम को काफी आत्मविश्वास देगी। बारिश के कारण जीत के लिए 16 ओवर में 151 रन के संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश टीम पांच रन से हार गई थी। आईसीसी की खेलने की शर्तों के नियम 41.5 के अनुसार फील्डिंग करने वाली टीम बल्लेबाज को जान बूझकर बाधा नहीं पहुंचा सकती या उसका ध्यान नहीं भटका सकता। अगर अंपायर को ऐसा लगता है कि किसी खिलाड़ी ने नियम तोड़ा है तो वह डैड बॉल घोषित करके पेनल्टी के पांच रन दे सकते हैं।क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीराम ने कहा, नहीं, हम यहां कोई बहाना नहीं बनाना चाहते हैं।

ब्राजील को लगा बड़ा झटका, चोट के कारण अगला दो मैच नहीं खेल पाएंगे नेमार

फीफा विश्व कप 2022 के बीच ब्राज़ील को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, सर्बिया के खिलाफ ब्राजील की 2-0 की जीत के दौरान उसके स्टार खिलाड़ी नेमार के दाहिने टखने में चोट लग गई। अब खबर यह है कि नेमार अगले दो मैच में नहीं खेल सकेंगे। इसे ब्राजील टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। सोमवार को ब्राजील का मुकाबला स्विट्जरलैंड के खिलाफ है। इस मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। ब्राजील टीम के चिकित्सक रोड्रिगो लैसमर ने कहा कि उनके दाहिने टखने के टेस्ट कराये गए हैं और चोट की वजह से वह सोमवार को स्विटजरलैंड के खिलाफ नहीं खेल सकेंगे। उन्होंने कहा कि संयम से काम लेने की जरूरत है।

फिलहाल टेस्ट के बाद टीम होटल में नेमार का इलाज चल रहा है। नेमार को बेंच पर रोते हुए देखा गया और बाद में वह लॉकर रूम में चले गए। बाद में नेमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कठिन मैच लेकिन जीत महत्वपूर्ण थी। टीम को बधाई। पहला कदम उठा लिया है। छह और बाकी है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा कि विश्वास रखें। विश्वास रखना जरूरी है कि सब ठीक होगा। अभी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बाकी है। ब्राजील के कोच टिटे ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नेमार विश्व कप में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि नेमार इस विश्व कप में आगे और खेलेगा। मुझे यकीन है। मार 2014 विश्व कप में भी चोटिल हुए थे। ब्राजील में खेले गये इस विश्व कप में कोलंबिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पीठ की चोट दर्द के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हुए थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का अपमान करने का आरोप लगने के बाद घाना के उस्मान बुखारी ने चुप्पी तोड़ी

दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में पुर्तगाल ने 15 मिनट में दागे तीन गोल की बदौलत फीफा विश्व कप के ग्रुप एच मैच में घाना को मात दी है। वहीं पुर्तगाल के खिलाफ 5 गोल के रोमांचक मुकाबले में घाना का दूसरा गोल दागने से फारवर्ड उस्मान बुखारी ने विवाद खड़ा कर दिया। उस्मान बुखारी ने 5 बार के बैलन डी%ओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के %सिउ% सेलिब्रेशन का एक भावुक रीप्ले किया, गेंद को नेट में डालने के बाद पुर्तगाल को 3-2 घाना बनाने के लिए। बुखारी ने रोनाल्डो के जश्न की नकल की जिसके बाद सोशल मीडिया पर हंगामा खड़ा हो गया है। कई फुटबॉल प्रशंसकों ने उस्मान बुखारी पर आरोप लगाया कि वो रोनाल्डो का अपमान कर रहे है। वहीं इस मामले पर अब बुखारी ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ किया कि इस कदम से वो किसी व्यक्ति का अनादर करने के इच्छुक नहीं थे। उन्होंने कहा कि मैंने जिस तरह से गोल करने का जश्न मनाया, उसे रोनाल्डो का अपमान करने से जोड़ा जा रहा है जो सही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मैं विश्व कप में अपने देश के लिए गोल करने के बाद भावुक था, जिसे दर्शाने के लिए मैंने जश्न मनाते हुए वो कदम उठाया। उन्होंने कहा कि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है कि बड़ों के प्रति अनादर करने की अनुमति नहीं देती है। मेरे आदर्शों में से एक रोनाल्डो के संबंध में ऐसा करना तो दूर की बात है। मेरा समर्थन करने वालों का धन्यवाद अब अगले गेम के लिए ध्यान केंद्रित करना है। बता दें कि घाना और पुर्तगाल के बीच हुए मुकाबले में उस्मान बुखारी ने पांचवा गोल दागा था। स्टेडियम 974 में दुनिया की नौवें नंबर की टीम को कप्तान रोनाल्डो ने 65वें मिनट में बढ़त दिलाई जिसके बाद जाओ फेलिक्स (78वें मिनट) और राफेल लियाओ (80वें मिनट) ने भी पुर्तगाल की ओर से गोल दागे। घाना की ओर से कप्तान आंद्रे आयेव (73वें मिनट) और उस्मान बुखारी (89वें मिनट) ने गोल किए। दुनिया की 61वें नंबर की टीम घाना के खिलाफ पुर्तगाल की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था लेकिन मैच के शुरुआती एक घंटे में अधिकांश समय रोनाल्डो, बर्नांडो सिल्वा और ब्रूनो फर्नांडिस की तिकड़ी ने निराश किया। घाना के खिलाड़ियों की मैच में काफी गलतियों के बावजूद पुर्तगाल के फारवर्ड इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। पुर्तगाल ने मुकाबले में अच्छी शुरुआत की और पहले 10 मिनट में कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन उसके फारवर्ड घाना की रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे।

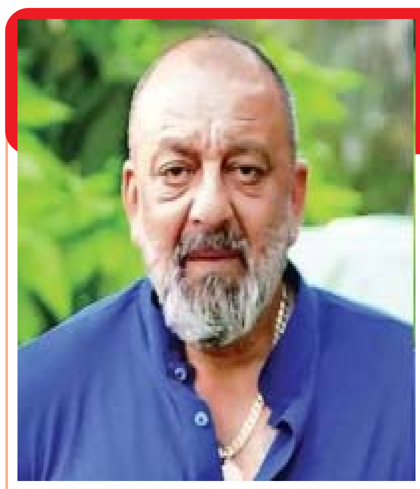

संजय दत्त का खुलासा: कैंसर का पता चलने के बाद वह इलाज के बजाय मौत को चुनना चाहते थे,

एक कार्यक्रम में बोलते हुए संजू ने कथित तौर पर कहा कि उन्होंने अपनी बहन प्रिया से कहा कि वह 2020 में कैंसर का पता चलने के बाद कीमोथेरेपी नहीं चाहते हैं और उन्होंने कहा कि वह इसके लिए मौत को प्राथमिकता देते हैं।

संजय दत्त को 2020 में कैंसर का पता चला था जब वह शमशेरा की शूटिंग कर रहे थे। हालांकि, वह जल्द ही ठीक हो गए और काम फिर से शुरू कर दिया। एक इवेंट के दौरान स्टार ने खुलासा किया कि वह इस बीमारी का इलाज नहीं कराना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें कैंसर का इतिहास है। संजय दत्त बॉलीवुड के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने खलनायक और सड़क जैसी कल्ट फिल्मों में काम किया है। पिछले साल उन्होंने केजीएफ चैप्टर 2 में अपने काम से कई लोगों को प्रभावित किया था।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए संजू ने कथित तौर पर कहा कि उन्होंने अपनी बहन प्रिया से कहा कि वह 2020 में कैंसर का पता चलने के बाद कीमोथेरेपी नहीं चाहते हैं और उन्होंने कहा कि वह इसके लिए मौत को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने आगे याद किया कि उनकी मां अभिनेत्री नरगिस और पत्नी ऋचा शर्मा की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी।संजय दत्त ने कहा कि मेरी पहली प्रतिक्रिया यह थी कि, एक बार जब आप ऐसा कुछ सुनते हैं, तो आपका पूरा जीवन आप पर प्रतिबिंबित होता है। मेरे परिवार में कैंसर का इतिहास रहा है। मेरी माँ की मृत्यु अग्नाशय के कैंसर से हुई थी, और मेरी पत्नी (रिचा शर्मा) की मस्तिष्क कैंसर से मृत्यु हो गई थी। इसलिए, मैंने जो पहली बात कही, वह यह थी कि मैं कीमोथेरेपी नहीं लेना चाहता।

काम के मोर्चे पर

संजय दत्त को आखिरी बार शमशेरा में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाई थी। इसमें रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे।चत्रस्न चैप्टर 2 के अभिनेता वर्तमान में बिनॉय गांधी द्वारा निर्देशित घुड़चड़ी पर काम कर रहे हैं। कहा जाता है कि अभिनेता थलपति 67 में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

तलाक के बाद अमृता ने सैफ से मांगी थी इतनी रकम ! पैसे चुकाने में छूटने लगे पसीने, बोले- मैं कोई शाहरुख नहीं...

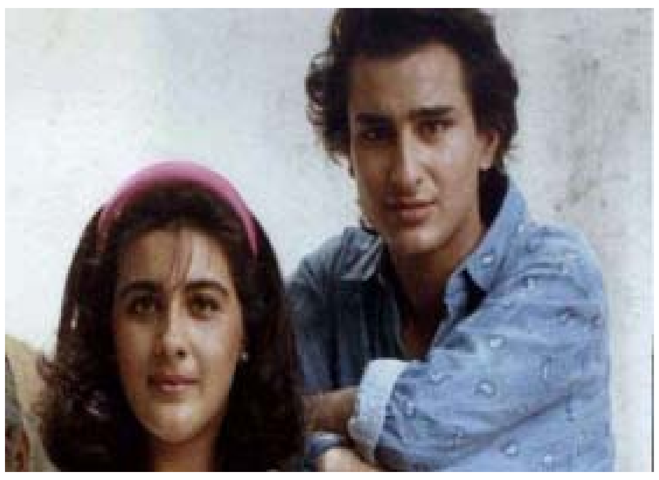

सैफ अली खान और अमृता सिंह उन दिनों के काफी मशहूर कपल माने जाते थे। शादी के 13 साल बाद 2004 में आपसी मनमुटाव के चलते अमृता और सैफ अलग हो गए। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह उन दिनों के काफी मशहूर कपल माने जाते थे। साल 1991 दोनों ने घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर शादी की थी। उस दौर में अमृता का नाम तो इंडस्ट्री की टॉप की एक्ट्रेस में शुमार था लेकिन सैफ ने तब तक फिल्मों में डेब्यू भी नहीं किया था। उम्र में अमृता से सैफ 13 साल छोटे थे। शादी के बाद अमृता- सैफ के घर दो बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान का जन्म लिया। हालांकि, शादी के 13 साल बाद 2004 में आपसी मनमुटाव के चलते अमृता और सैफ अलग हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमृता ने तलाक के बाद सैफ से पूरे 5 करोड़ रुपए मांगे थे। कहते हैं सैफ अली खान ने बड़ी मुश्किल से दो किश्तों में एलिमनी की इस रकम को चुकाया था। सैफ ने 5 करोड़ की इस भारी भरकम एलिमनी को लेकर यहां तक कह दिया था वे कोई शाहरुख खान नहीं जो उनके पास इतना पैसा हो। डिवोर्स के बाद बच्चों की कस्टडी अमृता को मिली थी। सैफ बेटे इब्राहिम के 18 साल के होने तक हर महीने अमृता को 1 लाख रुपए देते थे। गौरतलब है कि सैफ ने साल 2008 में करीना कपूर को डेट किया और दोनों ने साल 2012 में शादी कर ली थी।

सात साल बाद टीवी पर वापसी करने जा रही शिल्पा शिन्दे मैडम सर में निभाएंगी पुलिस अफसर का किरदार

लगभग सात साल के बाद अभिनेत्री टीवी पर वापसी करने जा रही हैं। शिल्पा शिंदे जल्द ही %मैडम सर% में फीमेल पुलिस ऑफिसर एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाती नजर आएगी। अभिनेत्री की शो में एंट्री वाला एपिसोड जल्द ही सोनी सब पर टेलीकास्ट होने वाला है।भाबीजी घर पर है में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर मशहूर हुईं अभिनेत्री शिल्पा शिंदे लंबे समय से किसी डेली सोप में नजर नहीं आई हैं। लेकिन अब लगभग सात साल के बाद अभिनेत्री टीवी पर वापसी करने जा रही हैं। शिल्पा शिंदे जल्द ही %मैडम सर% में फीमेल पुलिस ऑफिसर एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाती नजर आएगी। अभिनेत्री की शो में एंट्री वाला एपिसोड जल्द ही सोनी सब पर टेलीकास्ट होने वाला है।इन सब के बीच शिल्पा शिंदे ने शो में अपने एंट्री सीन की एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस वीडियो में अभिनेत्री पुलिस की यूनिफार्म में थाने में एंट्री करती नजर आ रही हैं। शिल्पा पुलिस की यूनिफार्म में बड़ी ही धाकड़ लग रही हैं। अभिनेत्री ने बिहाइंड द सीन क्लिप को शेयर करतेहुए कैप्शन मेंलिखा - कुछ बात है क्योंकि जज्बात है, सोम-शनि हर रात 10 बजे, सिर्फ ञ्ह्यश्ठ्ठ4ह्यड्डह्ठ पर। अभिनेत्री के फैंस को टीवी पर उनकी वापसी का बड़ेलंबे समय से इंतजार था, जो अब बस कुछ ही दिनों में खत्म होने वाला है।

पति ने हनीमून पर Price Tag के साथ लगा दी थी अभिनेत्री की बोली
कुछ ऐसी रही करिश्मा कपूर की शादीशुदा जिंदगी

करिश्मा ने बताया कि हनीमून के दौरान संजय ने उन्हें अपने दोस्तों के साथ सोने के लिए कहा था। जब उन्होंने ऐसा करने से मना किया तो संजय ने उनके साथ मारपीट भी की थी। अभिनेत्री ने यह भी बताया था कि हनीमून पर संजय ने अपने दोस्तों के सामने प्राइज टैग के साथ उनकी बोली भी लगायी थी।

90 के दशक की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार करिश्मा कपूर भले ही आज फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव नहीं हैं, लेकिन इस चीज का उनकी लोकप्रियता पर जरा भी फर्क नहीं पड़ा है। अभिनेत्री आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है, जैसे पहले किया करती थीं। करिश्मा सिल्वर स्क्रीन पर न सही लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और उनके साथ अपनी तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं।करिश्मा की तस्वीरें और वीडियो देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह अपनी जिंदगी में कितनी खुश है और हर पल को जिंदादिली से जी रही हैं। हालाँकि, अभिनेत्री की जिंदगी हमेशा से इतनी अच्छी नहीं रही हैं। कपूर खानदान की बेटी और एक ज़माने की सुपरस्टार होने के बावजूद करिश्मा ने अपनी पर्सनल जिंदगी में बहुत दुख झेले, जिनका खुलासा उन्होंने संजय कपूर से तलाक लेने के दौरान किया।

हनीमून पर दोस्तों के सामने पति ने लगायी थी बोली29 सितंबर 2003 को, करिश्मा कपूर की शादी उद्योगपति संजय कपूर से हुई थी। शादी के लगभग 10 साल बाद 2014 में अभिनेत्री ने पति से तलाक लेने के लिए कोर्ट में अर्जी डाली थी। करिश्मा ने अपनी तलाक की अर्जी में पति संजय पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिनके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह गया था। अभिनेत्री ने अपने पूर्व पति पर आरोप लगाया था कि उन्होंने हनीमून के दौरान से ही उनपर अत्याचार शुरू कर दिए थे।

करिश्मा ने बताया कि हनीमून के दौरान संजय ने उन्हें अपने दोस्तों के साथ सोने के लिए कहा था। जब उन्होंने ऐसा करने से मना किया तो संजय ने उनके साथ मारपीट भी की थी। अभिनेत्री ने यह भी बताया था कि हनीमून पर संजय ने अपने दोस्तों के सामने प्राइज टैग के साथ उनकी बोली भी लगायी थी। इतना ही करिश्मा ने यह भी बताया था कि संजय ने उनसे शादी सिर्फ इसलिए की क्योंकि वह एक मशहूर अभिनेत्री थी। अभिनेत्री का तलाक उस समय एक बड़ा चर्चा का विषय था।करिश्मा कपूर, संजय के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले अभिषेक बच्चन के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों की सगाई भी हो गयी थी, लेकिन फिर कुछ महीनों बाद रिश्ता टूट गया था। मीडिया रिपोर्ट के दावों के अनुसार, जया बच्चन नहीं चाहती थी कि करिश्मा शादी के बाद फिल्मों में काम करना जारी रखें। जया की ये शर्त करिश्मा कपूर और उनकी माँ बबिता को मंजूर नहीं थी, इसलिए उन्होंने शादी तोड़ दी।

साउथ के इस हीरो की मौत से दुखी होकर फैंस करने लगे थे आत्महत्या, किसी ने काट ली थी नस, किसी ने खाया जहर

आज एमजी रामचंद्रन की 106वीं बर्थ एनीवर्सरी है। एमजीआर तमिल फिल्मों के सुपरस्टार होने के साथ-साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भी थे। एमजीआर की फैन फॉलोइंग ने दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया था। कई बार ऐसा मौका भी आया जब लोगों की उनके प्रति दीवानगी देखने को मिली थी। साउथ के जाने माने एक्टर और 10 साल तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे मरुथुर गोपालन रामचन्द्रन (स्त्रक्र) की 17 जनवरी यानी कि जयंती थी । यह उनकी 106वीं बर्थ एनीवर्सरी है। अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने के बाद एमजीआर ने राजनीति में प्रवेश किया था। राजनीति में उनके सक्रिय स्वभाव को देखकर जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री पद पर स्थापित कर दिया। करीब दस साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहने के बाद 70 साल की उम्र में 24 दिसंबर 1987 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। एमजीआर उनकी लोकप्रियता बहुत बड़ी थी। एक एक्टर के तौर पर ही नहीं बल्कि एक राजनेता के तौर पर भी उन्होंने लोगों के दिलों में घर कर लिया था। तभी तो उनके निधन से फैंस के साथ-साथ तमिलनाडु के लोगों को भी झटका लगा है।

एमजीआर की मौत के बाद लोगों ने की आत्महत्या

एमजीआर की मौत पर पूरे देश में हाहाकार मच गया था और इसके चलते न जाने कितने लोगों ने अपनी जान दे दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमजीआर की मृत्यु के दो दिन बाद, 30 लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। किसी ने हाथ की नस काट ली थी तो किसी ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। यहीं नहीं, कई ने अपनी उंगलियां काट लीं, कुछ ने अपनी जीभ काट ली।

अंतिम विदाई देने के लिए उमड़ पड़ी थी भीड़

एमजीआर के फैन्स उन्हें चमत्कारी मानते थे। उनका मानना था कि यदि एमजीआर किसी बंजर जमीन पर भी खड़े हो जाये तो वह जमीन बंजर से उपजाऊ बन जाती है। इसीलिए कई लोग इन्हें अपनी बंजर ज़मीन को उपजाऊ बनाने के लिए अपने यहाँ न्योता देते थे। एमजीआर को अंतिम बार देखने और उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए उनके घर के बाहर फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने किया लाठीचार्ज और फायरिंग

बताया जाता है कि एमजीआर के 12 लाख से भी ज्यादा फैंस उनके अंतिम दर्शन को पहुंचे थे। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और फायरिंग भी करनी पड़ी। इसमें घटना में 29 लोगों की मौत हो गई थी। एमजीआर के इस अंतिम संस्कार को आज भी मोस्ट वायलेंट फ्यूनरल ऑफ़ थे सेंचुरी माना जाता है।

जयलिलता को एमजीआर ने बनाया था अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी

यहीं परिदृश्य जयललिता की मृत्यु के बाद भी देखने को मिला था। एमजीआर जयललिता को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया। एमजीआर के बाद जयललिता ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। जयललिता भी एक बेहतरीन एक्ट्रेस थीं। मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्होंने भी राजनीति में कदम रखा था।

जयलिलता की मौत के बाद फैंस ने की आत्महत्या

जैसे एमजीआर के फैंस उनके दुनिया से जाने के बाद दुखी हुए थे वैसे हीं जयललिता की मौत के बाद भी हुआ। एमजीआर की तरह जयललिता की मृत्यु के बाद भी फैंस के आत्महत्या करने का रिकॉर्ड है। जब जयललिता के मौत की खबर फैली, तो भीड़ ने छाती पीट-पीट कर रोना शुरू कर दिया और कई हिंसक हो गए थे।

फिल्म के सेट पर हुई थी एमजीआर और जयललिता की मुलाकात

जयललिता के साथ एमजीआर के रिश्ते हमेशा सुर्ख़ियों में रहे थे। एमजीआर और जयललिता की पहली मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी। उनकी मौत की खबर सुनते ही जयललिता उनके घर पहुँची थीं। मगर एमजीआर की पत्नी ने दरवाज़ा खोलने से मना कर दिया और शव की जगह बताने से भी मना कर दिया था।

21 घंटों तक खड़ी रही थीं जयललिता

इसके बाद जयललिता राजाजी हॉल पहुँची जहां एमजीआर के शव को दो दिनों तक रखा जाना था। जयललिता 21 घंटों तक उसी शव के पास खड़ी रही और अपने पल्लू से अपने आंसू पोंछती रही। जब स्त्रक्रके शव को गाड़ी में रखा गया तो जयललिता भी उसी में चढ़ गई लेकिन लोगों ने उन्हें खींचकर उतर दिया था।

फिल्मों के साथ-साथ एमजीआर ने राजनीति में भी कमाया था नाम

एमजीआर ने सौ हिट फिल्में देकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया था। उन्होंने ही अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रष्ठस्र्य) नामक राजनीतिक दल की स्थापना की थी। इस दल का प्रधानमंत्री राजीव गांधी की कांग्रेस पार्टी के साथ घनिष्ठ संबंध रहा है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से शादी कर बर्बाद हो गई थी रीना रॉय की जिंदगी
जबरदस्ती बेटी को लेकर विदेश भागा था पति

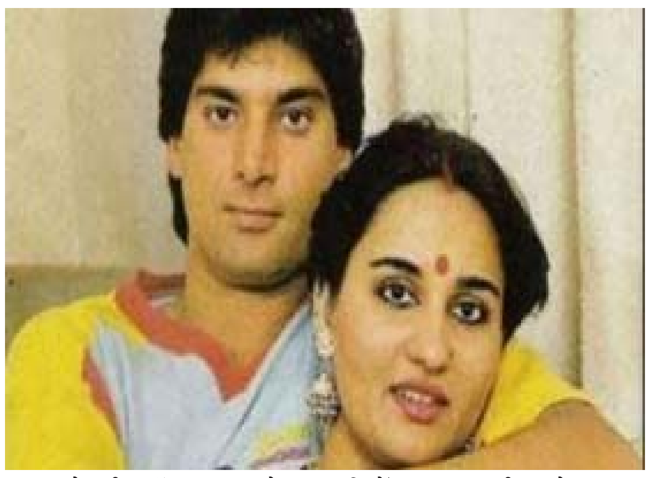

एक्ट्रेस रीना रॉय एक जमाने की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं में से एक रही हैं। 66 साल की एक्ट्रेस का एक इंटरव्यू मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया है।70 और 80 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस रीना रॉय एक जमाने की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं में से एक रही हैं। उन्होंने इस इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। लेकिन वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रही हैं। इन दिनों 66 साल की एक्ट्रेस का एक इंटरव्यू मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया है।जैसा की हम सभी जानते हैं रीना ने पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की थी। लेकिन कुछ सालों बाद जब गोनों का तलाक हो गया तो रीना को अपनी बेटी सनम की कस्टडी के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। उनके मुताबिक, उन्होंने इसके लिए कई साधू संतों से भी मदद मांगी थी।

दरअसल, रीना रॉय ने 80 के दशक में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की और एक्टिंग से संन्यास की घोषणा कर दी। रीना ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि बेटी सनम के जन्म के बाद मोहसिन और उनकी शादी में दरार आ गई थी। रीना शादी के बाद मोहसिन की लाइफस्टाइल के साथ एडजस्ट नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने बताया कि मोहसिन लंदन में शिफ्ट होना चाहते थे और ब्रिटिश नागरिकता लेना चाहते थे। लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं थीं। इस पर मोहसिन बेटी को लेकर चले गए, ताकि अपनी बेटी को तरसती एक मां हताश होकर उनके पीछे-पीछे लंदन आ जाए और वहीं बस जाए। पहले रीना की बेटी का नाम जन्नत था, लेकिन भारत आने के बाद उसका नाम सनम रखा गया।

शाहरुख खान की पठान को देखने के लिए जबरा फैन ने बुक कर डाला पूरा थिएटर

किंग खान कुछ ही दिनों में पर्दे पर पठान बनकर उतरने वाले हैं। फिल्म को लेकर यूथ का खासा बज देखने को मिल रहा है। इन दिनों शाहरुख पठान के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म को लेकर फैंस की दीवानगी साफ देखने को मिल रही है। एक जबरा फैन तो फिल्म देखने के लिए पूरा थिएटर ही बुक कर लिया।इन दिनों बॉलीवुड गलियारों में एक ही फिल्म के चर्चे चारों ओर हैं और वो है दीपिका पादुकोण और शाह रुख खान की फिल्म पठान। हाल ही में फिल्म पठान का धांसू ट्रेलर रिलीज हुआ है। हमेशा की तरह ही इस बार भी शाहरुख के फैंस पठान को देखने को लिए बेकरार हैं। किंग खान के एक जबरा फैन ने तो दीवानगी की हद ही पार कर दी।खबरों का मानें तो एक फैन ने शाहरुख खान के एक फैन क्लब ने फर्स्ट डे फर्स्ट शो की सारी टिकट्स बुक कर ली हैं। मुंबई के गैटी गैलेक्सी थिएटर सुबह 9 बजे के लिए बुक कर लिया है।आपको बताते चले कि फिल्म के क्रेज को देखते हुए थिएटर को लेकर भी पॉलिसी बदली गई है। पहले इस थिएटर में कोई भी फिल्म का पहला शो 12 बजे का होता था, लेकिन इस बार बदलाव करते हुए शो की टाइमिंग को चेंज किया गया है। खबरें हैं कि थिएटर ने शाहरुख की फिल्म पठान के लिए ही अपनी पॉलिसी में बदलाव किए हैं। मल्टीप्लेक्स और मराठा मंदिर सिनेमा के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मनोज देसाई का कहना है कि, %हां, ये बात सच है। शाहरुख खान के फैंस ने पूरे थिएटर को बुक कर लिया है। फिल्म की पहली स्क्रीनिंग को शाहरुख के फैंस 12 बजे से पहले देखने वाले हैं।शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन इब्राहिम की फिल्म पठान का ट्रेलर तीन भाषाओं में रिलीज किया गया है। जिसमें हिंदी के अलावा तेलुगू और तमिल शामिल हैं। फिल्म 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और ऐसे में फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

संस्था उम्मीद एक किरण ने जीवों के लिए प्रोजेक्ट रोशनी का किया शुभारम्भ

बीपीएस न्यूज

कानपुर।संस्था उम्मीद एक किरण के द्वारा बर्रा विश्व बैंक एच ब्लॉक स्थिति पार्क में जीव आश्रय संचालित है जिसके अंतर्गत संस्था के निजी संसाधनों से जीवो को उपचार के लिए लाया जाता है और उन्हें उपचार के लिए रखा जाता हैं। संस्था विगत 3 वर्षों से लगातार आवारा जीवो के उपचार एवं भोजन का प्रबंध कराती आई है, अभी तक संस्था के द्वारा लगभग 700 गाय माता और लगभग 1200 श्वान का उपचार किया जा चुका है, जिसमे ज्यादातर मामले सड़क दुर्घटना के थे

जिसको देखते हुए आज दिनांक 22/01/22 दिन रविवार को संस्था उम्मीद एक किरण द्वारा प्रोजेक्ट रोशनी का शुभारंभ किया गया प्रोजेक्ट रोशनी के तहत रोड पर जीवन यापन करने वाले पशुओं को रेडियम कॉलर पहनाए जाएंगे जिसका शुभारंभ एलाइंस इंटरनेशनल क्लब ऑफ एसोसिएशन 109 ह के गवर्नर एल.आई. शेखर आनंद वर्मा , एल.आई.हिमानी श्रीवास्तव, एल.आई.आर.सी गुप्ता के द्वारा किया गया साथ ही उन्होंने प्रोजेक्ट रोशनी की बेहद सराहना की और प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए संस्था को 200 रेडियम कलर का शुल्क प्रदान किया, इस दौरान संस्था उम्मीद एक किरण की तरफ से मयंक त्रिपाठी, सोनाली पाल, रणधीर सिंह, देवांग अग्रवाल, कीर्ति यादव, गर्वित पांडे, रौनक सिंह, दीपक अरोड़ा, आभा शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

पनकी में दिखा तेंदुआ, स्थानीय लोगों में हड़कंप

कानपुर।अर्मापुर पनकी नहर किनारे शनिवार देर रात एक बार फिर तेंदुआ दिखा। पीआरवी पुलिसकर्मियों ने नहर की तरफ टॉर्च मार कर देखा तो तेंदुआ भागते हुए दिखा। इलाकाई लोगों और पुलिसकर्मियों ने तेंदुए का वीडियो भी बनाया। वहीं आवास विकास 3, अर्मापुर, पनकी पावर हाउस समेत अन्य इलाकों के लोगों में दहशत का माहौल है। खासकर अरमापुर एस्टेट के स्थानीय लोगों की नींद हराम कर रहा है। वन विभाग की एक टीम लगातार एहतियात बरत रही है और लोगों को रात के समय जंगल की ओर न जाने की समझाइश दे रही है।

समाज में काम करने के लिए धन की नहीं अपितु मन की जरूरत: श्रीराम जी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कानपुर प्रांत प्रचारक श्री राम जी ने कहा कि समाज में सेवा का काम करने के लिए धन की नहीं अपितु मन की जरूरत होती है। अगर हम पवित्र एवं शुद्ध मन से समाज सेवा का कोई कार्य प्रारंभ करते है तो हमारी माँ भारती के तमाम सपूत हमारे इस कार्य में हाथ बंटाने आगे आ जाते है।

प्रांत प्रचारक श्रीराम जी ने उक्त बांते सीटीआई गोबिन्द नगर मे विधा भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर मे मकर संक्रांति के अवसर पर रविवार को आयोजित खिचड़ी एवं समरसता उत्सव कार्यक्रम में कहीं।

उन्होंने प्रश्न करते हुए कहा कि आपने कभी यह देखा है कि पैसों के अभाव मे 9 दिन तक चलने वाली कथा 7 दिनो मे ही समाप्त हो गई या पैसो के अभाव मे मन्दिर निर्माण कार्य रूक गया हो।उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी को उद्धृत करते हुए कहा कि उनका मानना था कि शिक्षा केवल जीवकोपार्जन के लिए ही नही अपितु विधार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए होनी चाहिए।विधा भारती समाज के अन्तिम पायदान पर खडे व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा मे लाकर विवेकानंद जी के इन्हीं सपनो को साकार कर रही है। प्रांत प्रचारक श्री राम जी ने कहा कि देश में काम करने के लिए अंग्रेजों ने नारा दिया था देश के लिए मरना सीखो लेकिन संघ के संस्थापक ने नारा दिया देश के लिए जीना सीखो यानी कि अंतिम जीवन तक हमारा जीवन समाज केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने धर्मांतरण पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि धर्म परिवर्तन अगर कोई रोता है तो विवेकानंद जी के अनुसार देश में एक और राष्ट्र विरोधी व्यक्ति खड़ा हो जाता है इसलिए वर्तमान समय में हम संपूर्ण समाज को अपना मान कर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पित हो। उन्होंने कहा कि हम तमाम चीजों को मिलाकर खिचड़ी बनाते हैं इस तरह खिचड़ी लोगों को समरस का भाव देती है। इसके पूर्व विधालय के बच्चों ने एक से बडकर एक देशभक्ति पूर्ण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की जमकर तालियां बटोरी।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर के जानेमाने उधमी जेट नेट वियर्स के निदेशक बलराम नरूला, कैलाश मोटर्स के निदेशक प्रेम गुप्ता, सुरेन्द्र गेरा, प्रकाश वीर आर्य, नवाब सिंह यादव, रमेश सिंह वधावन, राकेश त्रिपाठी, महेश कुमार वरियानी आदि रहे।

बिकरू कांड: जमानत पर बाहर आई खुशी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिकरू कांड की सबसे चर्चित आरोपित खुशी दुबे जमानत पर छूटकर अपने घर आ गई है।ढाई साल बाद जेल से रिहा होकर खुशी जेल से बाहर आने के बाद अधिवक्ता का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वह बेहद खुश नजर आई।वहीं मां गायत्री तिवारी, पिता श्यामलाल व बहन नेहा ने न्याय व्यवस्था पर विश्वास जताते हुए कहा कि खुशी निर्दोष थी।उसे न्याय मिला, भले ही देर से। उन्हें भरोसा है कि एक न एक दिन अदालत खुशी को दोषमुक्त भी करेगी। खुशी का अदालत से रिहाई परवाना जारी होते पुलिस सक्रिय हो गई। पहले अदालत में पुलिसकर्मी वर्दी व सादे कपड़ों में खुशी परिजनों से बातचीत कर टोह लेते रहे कि वे लोग खुशी को लेकर कहा जाएंगे। किसके साथ और किस वाहन से जाएंगे।इसके बाद पुलिस वालों ने खुशी की बहन व पिता को अदालत से एक आटो से जेल की तरफ रवाना किया। इसके बाद पुलिस लाइन गेट से जेल के बाहर तक पुलिस फोर्स तैनात कर दिया। पुलिस कर्मियों ने जेल के तरफ जा रहे वाहनों को बाहर ही रोक दिया। ऐसे में पुलिस ने उसकी खुफिया निगरानी शुरू कर दी है। शनिवार रात करीब 9ः00 बजे खुशी दुबे अपने रतनपुर घर पहुंची थी। आधी रात के बाद जब पूरा मोहल्ला सो गया खुशी के घर की ओर आने वाले रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगा दिए। दो कैमरे मुख्य मार्ग के चौराहे पर लगाए गए हैं ताकि यहां आने जाने वाले हर व्यक्ति पर निगाह रखी जा सके। मकान के दूसरी छोर के रास्ते पर लगाया गया है जबकि एक कैमरा खुशी दुबे घर के सामने बिजली के पोल पर लगा है। पुलिस ने अपने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से जोड़ा है।खुशी से मिलने कौन आ रहा है? खुशी कब घर से बाहर निकल रही है जानकारियों के लिए पुलिस ने उसके घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं।

इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन औद्योगिक विकास मंत्री की उपस्थिति में हुआ सम्पन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य अतिथि मंत्री औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' की उपस्थिति में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन मर्चेन्ट चेम्बर के सभागार में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग राकेश सचान, सांसद सत्यदेव पचैरी, विधायक सरोज कुरील, सीईओ यूपी सीडा मयूर महेश्वरी, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपी सीडा अस्मिता पटेल, अपर आयुक्त उद्योग कृतिका शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग सर्वेश्वर शुक्ला, उपायुक्त उद्योग सुधीर श्रीवास्तव, क्षेत्रीय प्रबन्धक यूपी सीडा मयंक मंगल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इन्वेस्टर्स समिट कार्यक्रम में 70 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए गए तथा कार्यक्रम में 31 बड़े निवेशक एवं उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र, शाल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2017 से 2022 में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बना है। अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज इन्वेस्टर्स समिट का पूरे प्रदेश के जनपदों में ऐसा महोल स्थापित हो गया है कि लोग विकास का उत्सव मना रहे हैं। प्रत्येक जिले में उत्साह है और लोगों के मन में ऐसी भावना जागृत हो गयी है कि लोग किसी न किसी सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया में विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी भारत की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है।उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्दर सुरक्षा व भयमुक्त वातावरण स्थापित हो गया है, जिसके कारण प्रदेश में तीव्र गति से निवेश हो रहा है।उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में जो भी एमओयू साइन होंगे और जब वह धरातल पर उतरेंगे तो लाखों लोगों को उसमें रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से उद्यमियों को मैं आश्वासन देता हूं कि यदि वह उत्तर प्रदेश में निवेश करते हैं, अपना उद्योग स्थापित करते हैं तो उन्हें यदि कहीं पर भी कोई समस्या आएगी तो समयबद्ध प्राथमिकता से उसका निस्तारण कराया जाएगा। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि हमें बड़ा हर्ष हो रहा है कि आज के इस इन्वेस्टर्स समिट में उद्यमियों का स्वागत करने का हमें मौका मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लैण्ड है, श्रम है और अपार संभावनाएं भी हैं। सांसद सत्यदेव पचैरी ने कहा कि मैं कानपुर के उद्यमियों से यह अपील करता हूं कि आज जो भी एमओयू साइन हुए हैं उनको जल्द से जल्द धरातल पर उतारें, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिले और लोग उसका लाभ उठा सकें।सीईओ यूपी सीडा मयूर महेश्वरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि कानपुर की एक अलग पहचान शुरू से रही है, इसे उद्योग नगरी के नाम से जाना जाता रहा है। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर्स सम्मिट को लेकर प्रदेश में एक सकारात्मक माहौल बना है। उत्तर प्रदेश के अंदर निवेश करने के लिए बहुत से लोग इच्छुक हैं और वह निवेश कर रहे हैं। यूपी सीडा द्वारा 11819 करोड़ एवं एमएसएमई द्वारा 9229 करोड़ का निवेश कराया गया। उन्होंने कहा कि और हमें उम्मीद है कि इन्वेस्टर्स समिट में जाते-जाते एक लाख करोड़ तक यह आंकड़ा पहुंचेगा। कार्यक्रम में 400 उद्यमी निवेशकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। यूपी0 सीडा, एमएसएमई, हैण्डलूम निर्यात तथा अन्य सेक्टरवार नई योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया।

कार्यक्रम में निदेशक डॉलफिन ग्रुप/आनन्द कम्पनी ऑफ ग्रुप विश्वनाथ गुप्ता, चेयरमैन/एमडी एमकेयू मनोज गुप्ता, निदेशक लॉर्ड शिवा इन्टरनेशनल सुशील टकरू द्वारा सरकार की योजनाओं की प्रशंसा करते हुये कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश में निवेश का बहुत ही अच्छा महौल है, विदेशों से और देश के विभिन्न प्रदेशों से बड़े पैमाने पर लोग प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। विभागों द्वारा उद्यमियों के हित में समस्त योजनाओं को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत पारदर्शी कर दिया गया है, जिससे उद्यमियों में बहुत उत्साह है।

हिन्दू समाज ही मजहबी कट्टरता का डटकर करेगा मुकाबला

बीपीएस न्यूज

कानपुर । विश्व हिन्दू परिषद कानपुर प्रान्त की सरस्वती शिशु मंदिर गोविन्द नगर में चल रही दो-दिवसीय बैठक आज विहिप केन्द्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के महामंत्री चम्पतराय की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई।विगत छः महीनों में विहिप के सभी आयामों (बजरंग दल , मातृशक्ति, दुर्गावाहिनी, गौरक्षा, सेवा, समरसता, धर्मप्रसार, प्रचार-प्रसार, धर्माचार्य सम्पर्क, मठ मन्दिर, अर्चक पुरोहित, संस्कृत, विशेष सम्पर्क, संस्कार, विधि प्रकोष्ठ, विश्व समन्वय) द्वारा किये गए कार्यों की समीक्षा हुई।4809 गौवंश रक्षा हुई, 119 ग्रामों से 340 किसान गौआधारित कृषि के लिए प्रशिक्षित हुए, 258 युवाओं को रोजगार मिला। लवजिहाद के 80 मामले निस्तारित कर हिन्दू कन्या रक्षा हुई।

आगे की योजनाओं में विद्यालयों में रामायण परीक्षा के बाद अब महाभारत की परीक्षाओं का आयोजन होगा। षष्ठी पूर्ति वर्ष में विहिप के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सभी आयामों द्वारा कार्यों का विस्तार होगा, जिसके लिए बजरंग दल से बालकों एवं दुर्गावाहिनी बहनों से विद्यार्थी विस्तारक बनाए जाएंगे। षष्टि पूर्ति वर्ष में पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं समाज को सम्पर्कित करेंगे। धर्म रक्षा निधि संग्रह अभियान 15 फरवरी से 15 मार्च तक चलेगा। 22 मार्च को हिन्दू नववर्ष के कार्यक्रम के साथ ही कानपुर प्रान्त के 21 जिलों के 198 प्रखण्डों के सभी 1903 खंडों में समितियों का निर्माण कर 30 मार्च से 6 अप्रैल तक रामोत्सव मनाया जाएगा। 28 अप्रैल को मातृशक्ति एवं दुर्गावाहिनी के नेतृत्व में माता सीता नवमी के कार्यक्रम होंगे।

इन सभी कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा सामाजिक सहभागिता बढ़े, समरस एवं संगठित हिन्दू समाज ही मजहबी कट्टरता का डटकर मुकाबला करेगा। गांव की बेटी अपनी बेटी, का भाव ही समाज को एक सूत्र में पिरोकर लव जिहाद जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाएगा, इनके लिए विहिप के कार्यकर्ता सभी गाँवों तक जाकर हिन्दू समाज को मजहबी कट्टरता के विरुद्ध सक्रिय करेंगे।

पुलिस ने शराब सेल्समैन से लूट करने वाले तीन शातिर दबोचे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शराब के सेल्समैन की बाइक में वैन से टक्कर मारकर ?145000 लूटने वाले शातिर अभियुक्तों को थाना ग्वालटोली पुलिस ने दबोच लिया है। घटना के महज तीन दिन के अंदर ही घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर अभियुक्तों को वारदात में प्रयुक्त की गई वैन के साथ दबोच लिया है। पकड़े गए तीनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं और पूर्व में भी उन पर कई मुकदमे दर्ज रहे हैं।घटनाक्रम के मुताबिक थाना ग्वालटोली क्षेत्र में एक मोटर साईकिल सवार और शराब के सेल्समैन सन्तोष वर्मा की दुर्घटना कर उसके पास से एक रुपयो से भरा बैग लूट लिया था। 18 जनवरी को रात्रि के समय अज्ञात लुटेरो के द्वारा एक लाख पैतालीस हजार की लूट गयी थी। जिसके संबन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0 संख्या धारा भादवि पंजीकृत किया गया था। इस घटना की जांच करते हुए अज्ञात लुटेरो को शनिवार रात को गंगा बैराज से आगे उन्नाव जाने वाली रोड पर देशी शराब के ठेके के पास चौकी क्षेत्र मंगलपुर से 03 नफर अभियुक्तगण सूरज मिश्रा पुत्र रामविलास मिश्रा निवासी पनकी गंगा गंज भाग-3 म0न0 304 जी ब्लाक थाना पनकी कानपुर नगर उम्र 23 वर्ष 02- अमन सिंह उर्फ अन्शू पुत्र जम्मा उर्फ जगदीश निवासी जानकीपुरम सेक्टर-33/11 थाना जानकीपुरम जनपद लखनऊ उम्र 20 वर्ष 03- महबूब पुत्र जावेद निवासी जानकी पुरम सेक्टर थाना जानकीपुरम जनपद लखनऊ उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से एक कार जिसका नम्बर यूपी 32 ऋ्र 2155 है, लूटी गयी नगदी के 40000 रूपये व एक अदद तमंचा देशी 315 बोर व एक अदद जिन्दा 315 कारतूस व तीन अदद मोबाइल व एक अदद पर्श जिसमें एक अदद पैन कार्ड, आधार कार्ड, डेबिट कार्ड बरामद किये गये अभियुक्तगणो से पूछताछ मे उसके द्वारा जुर्म कबूल किया गया।

निर्माण कार्य पर डीएम ने रोष व्यक्त करते हुए कार्रवाई के दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी. द्वारा कल्याणपुर विकासखंड के अंतर्गत धरमंगदपुर ग्राम पंचायत में निर्माणधीन आस्थाई गौवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण की धीमी गति पर रोष व्यक्त करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम प्रधान, हरमंगदपुर को नोटिस निर्गत की जाए एवं सचिव के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।सहायक विकास अधिकारी(पंचायत), कल्याणपुर यह सुनिश्चित करें कि निर्माणाधीन गौवंश आश्रय स्थल के शेष कार्य को तत्काल पूर्ण कराकर प्रत्येक दशा में गौशाला संचालित हो। गौवंश आश्रय स्थल के निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप में पूर्ण कराकर संचालित न किए जाने की दशा में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) एवं खंड विकास अधिकारी, कल्याणपुर को शिथिल पर्यवेक्षण का जिम्मेदार मानते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, तहसीलदार सदर आदि अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चेस चैंपियन का गोल्ड जीतने पर हुआ शुभि का सम्मान

बीपीएस न्यूज

कानपुर।स्पोर्टस एसोसियेशन की वार्षिक आम सभा गैन्जेस क्लब में सम्पन्न हुई। जिसमें प्रदेश के 51 जिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी उपस्थित सदस्यों ने भारतवर्ष में आयोजित हुये चेस के सफल आयोजन की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री तथा अधिकतर राज्यों को मुख्यमत्रियों के द्वारा दिये गये सहयोग की सराहना की। अखिल भारतीय शतरंज संघ के अध्यक्ष संजय कपूर जिनकी जिम्मेदारी में सम्पूर्ण चेस ओलंपियाड का आयोजन सम्पन्न हुआ।

जिसकी सराहना विश्व स्तर पर की गयी। उन्हें प्रदेश शतरंज परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। इसके साथ प्रदेश से पहली बार चेस चैम्पियन का गोल्ड मेडल जीतने वाली गाजियाबाद की शुभि गुप्ता को उनके इस अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। 25000 हजार की सम्मान राशि डॉ. संजय कपूर द्वारा भेंट की गयी। इस अवसर पर भारतीय शतरंज टीमों को चयन समिति के सदस्य इन्टरनेशनल मास्टर कानपुर के दिनेश शर्मा को भी सम्मानित किया गया। बरेली पेरा एसोशियेशन के अध्यक्ष अजय मिश्रा एवं सचिव राम किशोर के द्वारा बरेली में लगभग 3000 बच्चों को निशुल्क शतरंज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सरसों फसल को रोग एवं कीड़ों से बचाए किसान : डॉ.एसके विश्वास

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसके विश्वास ने सरसों फसल के रोग एवं कीड़ों से बचाव हेतु किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।उन्होंने बताया कि तिलहनी फसलों में सरसों का विशेष स्थान है। डॉ विश्वास ने कहा कि इस समय माहू कीट या चेपा का प्रमुखता से सरसों की फसल में आक्रमण होता है। इस कीट के शिशु का पौधों के कोमल तनो, पत्तियों, फूलों एवं नई फलियों से रस चूस कर उसे कमजोर एवं क्षतिग्रस्त करते हैं। डॉक्टर विश्वास ने बताया कि आसमान में बादल घिरे रहने से इसका प्रकोप तेजी से होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03त्न घोल का छिड़काव करें या फिर जैविक नियंत्रण हेतु फसल में 2त्न नीम के तेल को तरल साबुन के साथ(20 मिलीलीटर नीम का तेल + 1 मिलीलीटर तरल साबुन) में मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर विश्वास ने रोगों के बारे में बताया कि सरसों की फसल में काला धब्बा रोग भी लगता है। यह सरसों की पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे गोल धब्बे बनते हैं। जो बाद में तेजी से बढ़ कर काले और बड़े आकार के हो जाते हैं।उन्होंने बताया कि रोग की अधिकता में बहुत से धब्बे आपस में मिलकर बड़ा रूप ले लेते हैं। फल स्वरुप पत्तियां सूख कर गिर जाती हैं। यह लक्षण फसल में दिखाई देते ही डाईथेंन एम-45 का 0.2त्न घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर करें।

रंगीन गुब्बारे उड़ाकर आयुक्त ने पतंग महोत्सव का किया उद्घाटन

कानपुर । प्रत्येक कलैंडर वर्ष के मकर संक्रांति के पहले रविवार को पतंग महोत्सव का होगा आयोजन । प्रफेशनल पतंग बाजों के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के बच्चों , औधोगिक संगठनों , स्वयं सेवी संगठनों तथा आम जन मानस ने सी0एस0ए0 प्रांगण में उठाई पतंग। 70 प्रोफेशनल पतंग बाजों के साथ लगभग 500 लोगों ने उड़ाई पतंगे आसमान में रंगीन गुब्बारे उड़ाकर मंडलायुक्त डॉ0 राजशेखर ने पतंग महोत्सव का किया उद्घाटन कानपुर के विभिन्न मशहूर व्यंजन का पतंग प्रेमियों ने चखा स्वाद इस अवसर पर मंडलायुक्त डॉ0 राजशेखर, पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड, अपर जिलाधिकारी अतुल कुमार आदि अन्य अधिकारी रहे उपस्थित।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।